वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2022–2023

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बिजेय भवन पैलेस कॉम्पलेक्स, पंडित दीनदयाल सर्किल के पास

बीकानेर–334 001 (राज.)

website : www.rajuvas.org

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2022-2023

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बिजेय भवन पैलेस कॉम्पलेक्स, पंडित दीनदयाल सर्किल के पास

बीकानेर-334 001 (राज.)

website : www.rajuvas.org

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

सम्पादक मण्डल

संरक्षक

प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार गर्ग

कुलपति

मुख्य सम्पादक

प्रो. बसंत बैस

निदेशक, पी. एम. ई.

सलाहकार मंडल

श्री अरुण प्रकाश शर्मा
कुलसचिव

श्री हेमन्त दाधीच
वित्तनियंत्रक

प्रो. ए.पी.सिंह
संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, सी.वी.ए.एस., बीकानेर
अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर शिक्षा

प्रो. शीला चौधरी
अधिष्ठाता, पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर

प्रो. राजीव जोशी
अधिष्ठाता, सी.वी.ए.एस., नवानियाँ, वल्लभनगर

प्रो. हेमन्त दाधीच
निदेशक, अनुसंधान

प्रो. आर.के. धूड़िया
निदेशक, प्रसार शिक्षा

प्रो. बंसत बैस
निदेशक, पी.एम.ई

प्रो. बी. एन. श्रृंगी
निदेशक, मानव संसाधन विकास

प्रो. उर्मिला पनू
परीक्षा नियंत्रक

प्रो. प्रवीण बिश्नोई
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण
निदेशक, क्लिनिक्स

इंजि. पी.एम. मित्तल
निदेशक, कार्य

डॉ. अशोक डांगी
प्रभारी, आई.यू.एम.एस

प्रकाशक

प्राथमिकता, नियंत्रण एवं मूल्यांकन निदेशालय (पी.एम.ई.)

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बीकानेर, राजस्थान–334 001

ईमेलः dpmerajuvas@gmail.com

मुद्रक : डायमंड प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनरी, बीकानेर # 9784105819

प्रस्तावना

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना 13 मई 2010 को हुई। अपनी स्थापना के प्रथम दशक से ही विश्वविद्यालय ने शिक्षण अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में कई नए आयाम स्थापित करके न केवल राज्य में ही अपितु देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के तीन संघटक महाविद्यालय बीकानेर, नवानियाँ (उदयपुर) एवं पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर में स्थित है। विश्वविद्यालय के तीनो संघटक महाविद्यालय भारतीय पशुचिकित्सा परिषद की प्रथम अनुसूचि में शामिल हैं। इन तीनों महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2021–22 में स्वीकृत किये वेटरनरी विश्वविद्यालय के दो नये संघटक महाविद्यालय जोधपुर और नांवा (नागौर) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2022–23 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अर्न्तगत भरतपुर, कोटपूतली एवं मलसीसर (मण्डावा) झुंझूनू में नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य सरकार द्वारा इन नए महाविद्यालयों के लिए शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक पदों की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम हेतु बीकानेर परिसर में डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय और बस्सी, जयपुर में डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021–22 में संघटक महाविद्यालय के रूप में प्रारंभ हो गये है। विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम हेतु सात निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालयो को संबद्धता दी गई है। विश्वविद्यालय से 7 संघटक एवं 74 संबद्ध संस्थानों में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जा रहा हैं।

विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षांत समारोह 29 अप्रैल, 2022 को हाईब्रिड मोड में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र तथा माननीय मंत्री श्री लालचंद जी कटारिया, कृषि, पशु पालन एवं मत्स्य विभाग ने समारोह में ऑनलाईन शिरकत की एवं पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के 423 छात्र–छात्राओं को उपाधियां और 35 को स्वर्ण पदक तथा 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। विश्वविद्यालय ने तमाम गतिविधियों को ई–गर्वनेंस के तहत लाकर प्रवेश, भर्ती और उत्तरपुस्तिका की जाँच की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया है।

राज्य सरकार द्वारा घोषित वेटरनरी विश्वविद्यालय के इन्टर्नशिप छात्रों के इन्टर्नशिप भत्ते को 3000 रू. मासिक से बढ़ाकर 14000 रूपये प्रतिमाह + डीए कर दिया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय को शिक्षा एवं अनुसंधान के विभिन्न पैमानों पर परखते हुए पांच वर्षों (2022–2026) के लिए ए ग्रेड में अक्रेडिटेशन प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय में नौ पशुधन अनुसंधान केंद्र राज्य के बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ), नवानियां, (उदयपुर), बोजुंदा (चित्तौड़गढ़), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित हैं। इनमें स्वदेशी गौवंश की छः नस्लों राठी, साहीवाल, कांकरेज, थारपारकर, मालवी, गिर, एवं भेड़, बकरी और भैंसों की नस्लों के उन्नयन हेतु शोध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गैर पारंपरिक क्षेत्रों में अनुसंधान हेतु राज्य पोषित 10 उन्नत अनुसंधान केंद्र भी स्थापित हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास की 9 परियोजनाऐं एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित 5 परियोजनाए चल रही है।

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु राज्य के 16 जिलों में पशु विज्ञान केन्द स्थापित हैं। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के नए भवन का लोकार्पण 17 अगस्त 2022 को माननीय विधायक नोहर श्री अमित चाचाण द्वारा किया गया एवं भारतीय कृषि अनुसधांन परिषद्, नई दिल्ली से स्वीकृत शैक्षणिक पदो पर विश्वविद्यालय द्वारा भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष तथा पांच विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति प्रदान की गई है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर द्वारा इस वर्ष 751 ऑफलाइन / ऑनलाइन प्रशिक्षणों का आयोजन कर 22286 पशुपालकों एवं किसानों को लाभांवित किया गया। 16 नवम्बर 2022 को पशु विज्ञानं केंद्र सूरतगढ़ श्रीगंगानगर में किसान पशु पालन एवं कृषि मेले का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों को समर्पित "राजुवास ई–पशुपालक चौपाल" प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ बुधवार, ''धीणें री बात्यां'' रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण राज्य के सभी 17 आकाशवाणी केन्द्रों से प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार, पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा पशुपालकों के लिए व्हाट्सएप समूह एवं वेटरनरी विश्वविद्यालय की टोल–फ्री हैल्पलाइन जैसी सेवाएं चलाई जा रही है। वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों को समर्पित एक डिजीटल मंच "ई–पशुपालक चौपाल" के माध्यम से इस वर्ष 6 ई पशुपालक चौपालों का आयोजन किया गया। जिसे 12700 पशुपालकों एवं किसानों ने देखा और सुना। पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों द्वारा इस वर्ष तीन वैज्ञानिक सम्मेलनों का सफल आयोजन किया गया।

माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र एवं माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द जी कटारिया द्वारा विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संविधान पार्क का लोकार्पण 29, जुलाई 2022 को किया गया।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय शिक्षण, शोध व प्रसार के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य कर प्रदेश के विकास में सहयोग को कटिबद्ध है, राज्य सरकार के सम्पूर्ण सहयोग एवं योगदान के लिये बहुत–बहुत धन्यवाद सहित।

प्रो. सतीश कुमार गर्ग
कुलपति

अनुक्रमणिका

1.	संगठनात्मक ढांचा	02—04
2.	स्वीकृत—कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण	05—09
2.1	शैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति	05
2.2	अशैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति	05
2.3	निजी सचिव एवं मंत्रालयिक पदों की श्रेणीवार स्थिति	06
2.4	अन्य शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति	06
2.5	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति	08
3.	विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 3 वर्ष से तुलना	10—24
3.1	अकादमिक कार्यक्रम	10—15
3.1.1	स्नातक पाठ्यक्रम (बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.)	12
3.1.2	स्नातक पाठ्यक्रम (बी.टेक)	12
3.1.3	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.वी.एस.सी.)	13
3.1.4	विद्या—वाचस्पति / डाक्टरेट पाठ्यक्रम (पीएच.डी.)	14
3.1.5	पशुपालन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ए.एच.डी.पी.)	15
3.2	अनुसंधान परियोजनाएं	18—20
3.3	प्रसार शिक्षा कार्यक्रम	21—24
4.	आलौच्य वर्ष में विशेष पहल एवं उपलब्धि	25—28
5.	सार संक्षेप	29—32

विश्वविद्यालय एक नजर में

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

प्रशासनिक कार्यालय

1. कुलपति सचिवालय
2. कुलसचिव कार्यालय
3. वित्त नियंत्रक कार्यालय
4. अनुसंधान निदेशालय
5. प्रसार शिक्षा निदेशालय
6. अधिष्ठाता छात्र कल्याण
7. अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा
8. निदेशालय मानव संसाधन विकास
9. निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी और मूल्यांकन निदेशालय
10. निदेशक क्लिनिक
11. निदेशक कार्य (भू-सम्पदा)
12. परीक्षा नियंत्रक
13. केन्द्रीय पुस्तकालय
14. जनसम्पर्क प्रकोष्ठ
15. आई.यू.एम.एस. प्रकोष्ठ
16. पूल ऑफिस
17. प्लेसमेंट सैल
18. आई.पी.आर. सैल

महाविद्यालय एवं संस्थान

संघटक वेटरनरी महाविद्यालय

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानियाँ (उदयपुर)
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर

नव स्वीकृत संघटक वेटरनरी महाविद्यालय

4. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय जोधपुर
5. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नावां, नागौर
6. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय मलसीसर, झुंझुनूं
7. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय भरतपुर
8. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय कोटपुतली, जयपुर

डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय

1. डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर
2. डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जयपुर

महाविद्यालय एवं संस्थान

सम्बद्ध वेटरनरी महाविद्यालय

1. अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन जयपुर
2. एम.जे.एफ. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, चौमूं, जयपुर
3. अरावली पशुचिकित्सा महाविद्यालय सीकर
4. एम.बी. वेटरनरी महाविद्यालय, डूंगरपुर
5. आर. आर. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, देवली, टोंक
6. महात्मा गांधी पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, भरतपुर
7. सौरभ कॉलेज ऑफ वेटरनरी साईन्स, हिण्डौन, करौली

पशुपालन डिप्लोमा संस्थान

1. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, बीकानेर
2. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, नवानियाँ (उदयपुर)
3. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, जयपुर
4. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, चान्दन (जैसलमेर)
5. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, नोहर (हनुमानगढ़)
6. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, बोजुन्दा (चित्तौड़गढ़)
7. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, डग, (झालावाड़)

पशुधन अनुसंधान केन्द्र

1. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर
2. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल (बीकानेर)
3. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर (बीकानेर)
4. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़)
5. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन (जैसलमेर)
6. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, वल्लभनगर (उदयपुर)
7. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा (चित्तौड़गढ़)
8. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग (झालावाड़)
9. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, सरमथुरा (धौलपुर)

प्रसार शिक्षा केन्द्र

पशु विज्ञान केन्द्र

1. पशु विज्ञान केन्द्र, नागौर
2. पशु विज्ञान केन्द्र, जोधपुर
3. पशु विज्ञान केन्द्र, टोंक
4. पशु विज्ञान केन्द्र, भरतपुर
5. पशु विज्ञान केन्द्र, चूरू
6. पशु विज्ञान केन्द्र, कोटा
7. पशु विज्ञान केन्द्र, सिरोही
8. पशु विज्ञान केन्द्र, डूंगरगढ़
9. पशु विज्ञान केन्द्र, झुंझुनू
10. पशु विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
11. पशु विज्ञान केन्द्र, श्रीगंगानगर
12. पशु विज्ञान केन्द्र, बीकानेर
13. पशु विज्ञान केन्द्र, चित्तौड़गढ़
14. पशु विज्ञान केन्द्र, जालौर
15. पशु विज्ञान केन्द्र, झालावाड़
16. पशु विज्ञान केन्द्र, जयपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र

1. नोहर (हनुमानगढ़)

अनुप्रयुक्त अनुसंधान केन्द्र

1. पारम्परिक पशुचिकित्सा पद्धति एवं वैकल्पिक औषधि विज्ञान केन्द्र, बीकानेर
2. वन्य जीव प्रबंधन एवं स्वास्थ्य अध्ययन केन्द्र, बीकानेर
3. पशुधन चारा संसाधन, प्रबंधन एवं तकनीक केन्द्र, बीकानेर
4. पशु आपदा प्रबंधन तकनीक केन्द्र, बीकानेर
5. पशु विज्ञान के लिये अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी केन्द्र, बीकानेर
6. पशु जैव चिकित्सा अपशिष्ट निस्तारण प्रौद्योगिकी केन्द्र, बीकानेर
7. पशु जैव विविधता संरक्षण केन्द्र, बीकानेर
8. टीकाकरण एवं जैविक उत्पाद अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर
9. जैविक पशु उत्पाद तकनीक केन्द्र, बीकानेर
10. पशु विज्ञान में अंतरिक्ष आधारित तकनीक केन्द्र, बीकानेर
11. सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स : दुग्ध गुणवत्ता एवं सुरक्षा, जयपुर
12. जूनोटिक रोग निदान एवं निगरानी केन्द्र, जयपुर
13. एपेक्स सेन्टर, बीकानेर

1. संगठनात्मक ढांचा

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 की धारा 1 उपखण्ड (3) के अन्तर्गत स्थापित हुआ। इस विश्वविद्यालय की स्थापना दिनांक 13 मई, 2010 को हुई। राजस्थान राज्य के माननीय राज्यपाल पदेन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। कुलपति विश्वविद्यालय का प्रधान शैक्षणिक और कार्यपालक अधिकारी है।

अपनी स्थापना की अल्पावधि में ही विश्वविद्यालय ने प्रबंधन मण्डल, अकादमिक परिषद्, अधिकारी परिषद् अनुसंधान परिषद् और प्रसार परिषद् आदि संवैधानिक निकायों का गठन किया। इन निकायों के गठन के साथ ही विश्वविद्यालय ने केन्द्रीय सलाहकार समिति, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ का गठन किया। साथ ही विश्वविद्यालय ने अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा, परीक्षा नियंत्रक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, निदेशक क्लिनिक, निदेशक प्रसार शिक्षा, निदेशक कार्य, निदेशक पी.एम.ई., निदेशक मानव संसाधन विकास आदि महत्वपूर्ण विभागों की स्थापना की और कुछ अन्य समितियां बनाई गई जिससे विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुरूप समस्त कार्यों का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा सके।

पशुपालन का राज्य की अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान और संबंधित विषयों के बारे में उचित और व्यवस्थित निर्देशन, शिक्षण–प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रसार प्रशिक्षण करवाया जाता है। विश्वविद्यालय में अध्यापन, शिक्षण अनुसंधान और प्रसार के प्रयासों को सुगठित कराने में राजस्थान सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और विश्वविद्यालय को वृद्धि उन्मुख और प्रगतिशील बनाने में हर प्रकार से सहयोगी रही है।

विश्वविद्यालय अपने तीन प्रमुख अंग–शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के निष्पादन के लिए समस्त सुविधाओं से सुसज्जित है। वर्तमान में वेटरनरी विश्वविद्यालय के तीन संघटक महाविद्यालय बीकानेर, उदयपुर (नवानियाँ) और जयपुर एवं दो डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय बीकानेर और बस्सी, जयपुर में स्थित हैं। राज्य सरकार ने जोधपुर, नांवा (नागौर), मलसीसर (झुंझुनूं), कोटपूतली (जयपुर) और भरतपुर में वेटरनरी विश्वविद्यालय के नए संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना की क्रियान्विति हेतु पद एवं बजट प्रावधान की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जोधपुर का पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय निर्माणाधीन है।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

राजस्थान में पशुचिकित्सा शिक्षा का प्रभावी और शानदार इतिहास रहा है। आजादी के बाद राज्य का पहला पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में वर्ष 1954 में स्थापित किया गया। मुख्य कॉलेज भवन में प्रशासनिक कार्यालय और 18 स्वतंत्र विभाग हैं जिनमें सुसज्जित प्रयोगशालाएं तथा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम शिक्षण और अनुसंधान के लिए आधुनिक सुविधाएं हैं। परिसर में पशुओं की विभिन्न इकाईयां, रोग नैदानिक सुविधाएं, पुस्तकालय, कैंटीन, व्यायामशाला, खेलकूद सुविधाएं और बैंक की शाखा भी है। छात्र तथा छात्राओं हेतु अपेक्षित छात्रावास सुविधा उपलब्ध है।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर

उदयपुर के नवानियां (वल्लभनगर) में राज्य के दूसरे वेटरनरी कॉलेज की स्थापना वर्ष 2007 में की गई। दक्षिणी राजस्थान में पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कुशल विशेषज्ञता विकसित करना तथा जनजाति क्षेत्र के पशुपालकों की आवश्यकतानुसार अनुसंधान, प्रचार एवं प्रसार गतिविधियों को विकसित करना इस महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है। इस महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम के साथ पशुचिकित्सा के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर, पीएच.डी.एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चल रहे हैं।

स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर

राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग–21, आगरा रोड़, जामडोली, जयपुर में स्थित इस संस्थान की स्थापना वर्ष 2012 में हुई। वर्ष 2015–16 से इस संस्थान में स्नातक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ कर दिये गये हैं। वर्तमान में यह संस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर एवं स्नातक डिग्री के साथ–साथ पशुपालन से सम्बन्धित डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चला रहा है।

डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर

वेटरनरी विश्वविद्यालय अंतर्गत बीकानेर परिसर में डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का शैक्षणिक सत्र 2021–22 से प्रारंभ हो गये हैं। विद्यार्थियों को जैट परीक्षा के माध्यम से महाविद्यालय में प्रवेश दिये जाते हैं। डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर में बी.टेक इन डेयरी टेक्नोलॉजी में 40 सीटे स्वीकृत हैं। प्रथम सेमेस्टर में कुल 40 स्वीकृत सीटों में 06 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया तथा द्वितीय सेमेस्टर में 38 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इस महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त समय–समय पर शैक्षिक भ्रमण, विशेष दिवस, खेलकुद प्रतियोगिताएं, एन.सी.सी. तथा अन्य शैक्षणिक व शैक्षणेत्तर गतिविधियाँ संचालित की जाती है, उक्त गतिविधियों में विद्यार्थी बढ़–चढ़ कर व रूचि लेकर हिस्सा लेते है। भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी (जयपुर)

वेटरनरी विश्वविद्यालय अंतर्गत डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी (जयपुर) का शैक्षणिक सत्र 2021–22 से प्रारंभ हो गये हैं। विद्यार्थियों को जैट परीक्षा के माध्यम से महाविद्यालय में प्रवेश दिये जाते हैं। डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी (जयपुर) में बी.टेक. इन डेयरी टेक्नोलॉजी एवं बी.टेक. इन फूड़ टेक्नोलॉजी में 40–40 सीटें प्रवेश हेतु स्वीकृत हैं। प्रथम सेमेस्टर में कुल 40–40 स्वीकृत सीटों में डेयरी विज्ञान में 02 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया तथा द्वितीय सेमेस्टर में 14 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है एवं खाद्य विज्ञान में 04 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया तथा द्वितीय सेमेस्टर में 05 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। निविदा के उपरान्त कार्यादेश प्रदान किया जा चुका है। शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारम्भ होने जा रहा है।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, जोधपुर

वेटरनरी विश्वविद्यालय के चौथे संघटक वेटरनरी महाविद्यालय, जोधपुर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि का आवंटन एवं पदों की स्वीकृति पूर्व में ही जारी की जा चुकी है। इस वर्ष राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने राज्य स्तरीय ऑनलाइन समारोह में वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय जोधपुर के भवन की आधारशिला दिनांक 10 जुन 2021 को रखी एवं समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी द्वारा की गई थी। भवन निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, नांवा (नागौर)

राज्य सरकार ने नांवा (नागौर) में वेटरनरी विश्वविद्यालय के पांचवे नए संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना हेतु पद एवं प्रावधान की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। राज्य सरकार ने वर्ष 2021–22 के बजट घोषणा में नवीन पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नांवा (नागौर) हेतु 29 शैक्षणिक एवं 12 अशैक्षणिक पदों हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है इसके साथ ही नवीन महाविद्यालय के भवन निर्माण, उपकरण, कैमिकल एवं ग्लासवेयर तथा कार्यलय व्यय हेतु कुल 22 करोड़ 68 लाख रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। भूमि का अधिग्रहण प्राप्त कर लिया गया हैं चाहर दिवारी बन चुकी है। भवन निर्माण का आदेश निर्गत हो चुका है। शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ हो रहा है।

तीन नव स्वीकृत संघटक वेटरनरी महाविद्यालय

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2022–23 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत भरतपुर, कोटपूतली एवं मलसीसर (मण्डावा) झुंझूनूं में नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य सरकार ने नवीन पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय मलसीसर (झुंझुनूं), कोटपूतली (जयपुर) और भरतपुर हेतु तीनो महाविद्यालयों के लिए 29–29 शैक्षणिक एवं 12–12 अशैक्षणिक पद का सर्जन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है इसके साथ ही नवीन महाविद्यालय के भवन निर्माण, उपकरण, कैमिकल एवं ग्लासवेयर तथा कार्यालय व्यय हेतु वित्तीय स्वीकृती देने की सहमती प्रदान की। भूमि आवंटित हो चुकी है। शीघ्र ही निर्माण हेतु निविदा आमन्त्रित की जा रही है।

पशुपालन डिप्लोमा संस्थान

विश्वविद्यालय सात संघटक एवं 74 सम्बद्ध संस्थानों के माध्यम से दो वर्षीय पशुपालन डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चला रहा है, इन संस्थानों में प्रतिवर्ष लगभग 4750 पैरावेट के प्रशिक्षण की क्षमता है। ये संस्थान बीकानेर, अलवर, भरतपुर, चुरू, दौसा,

डूँगरपुर, हनुमानगढ़, जयपुर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, कोटा, बूंदी, श्रीगंगानगर, सीकर, टोंक, झालावाड़, जालौर, जैसलमेर, चितौड़गढ़, धौलपुर, बाड़मेर, बारां और उदयपुर आदि जिलों में स्थित हैं। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के अलावा पशुपालन डिप्लोमा संस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ (उदयपुर), स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, जयपुर, पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन, (जैसलमेर), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा (चतौडगढ़), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग (झालावाड़), में भी स्थित हैं।

अनुसंधान केन्द्र

विश्वविद्यालय के अन्तर्गत नौ पशुधन अनुसंधान केन्द्र हैं, जिनमें पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ़), नवानियाँ, वल्लभनगर (उदयपुर), बोजुन्दा (चित्तौड़गढ), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित है। इन अनुसंधान केन्द्रो के माध्यम से राज्य की छः देशी गौवंश नस्लें राठी, थारपारकर, गिर, साहीवाल, मालवी और कांकरेज के विकास एवं संवर्द्धन का कार्य किया जा रहा है। पशुधन अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से हैरिटेज जीन बैंक की अवधारणा के तहत पशुपालकों व गौशालाओं को स्वदेशी गौवंश प्रजनन के लिए उन्नत किस्म के बछड़े और सांड उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। राजुवास द्वारा अब तक 2500 से भी अधिक श्रेष्ठतम नस्ल के बछड़े व सांड उपलब्ध करवाए गए हैं। इससे गौशालाओं और पशुपालकों के यहां स्वदेशी गौवंश की संख्या में बढ़ोतरी के साथ हैरिटेज जीन बैंक की अवधारणा को मूर्त रूप मिल रहा है। इन अनुसंधान केन्द्रों पर देशी गौवंश के अलावा भैंस, भेड़, बकरी के संवर्द्धन व उन्नयन तथा पशुधन चारा उत्पादन के कार्य किए जा रहे हैं, धौलपुर में स्थित अंगई बकरी फार्म में सिरोही बकरी पर नस्ल सुधार एवं संवर्धन पर कार्य किया जा रहा है।

पशु विज्ञान केन्द्र

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध आधारित जानकारी पहुँचाने एवं उनकी समस्याओं के समाधान हेतु 16 पशु विज्ञान केन्द्र (पी.वी.के) नागौर, जोधपुर, टोंक, भरतपुर, चुरू, कोटा, सिरोही, डूंगरपुर, झुंझुनू, धोलपुर, श्री गंगानगर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, जालौर, झालावाड़ एवं जोबनेर (जयपुर) में स्थापित किये गए हैं। आगामी वर्षों में प्रदेश के प्रत्येक जिले में इस तरह के केन्द्र स्थापित किये जाने का लक्ष्य है। पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्रों के द्वारा पशुकल्याण सेवाओं के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों के लिए पशुपालक प्रशिक्षण शिविर, पशुचिकित्सा शिविर, पशुपालक गोष्ठी, वैज्ञानिक पशुपालक संवाद, फील्ड दिवस, जागरूकता शिविर और उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन का आयोजन कर पशुपालकों को लाभांवित गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालय का एक मात्र कृषि विज्ञान केन्द्र हनुमानगढ़ जिले के नोहर कस्बे में स्थापित है। केन्द्र द्वारा ऑन फार्म ट्रायल, प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, संस्थानिक और गैर संस्थानिक प्रशिक्षणों सहित प्रसार शिक्षा के तहत क्षेत्रीय दिवस, किसान मेला, किसान गोष्ठी, प्रदर्शनी, परिणामों का प्रदर्शन, वैज्ञानिकों, कृषकों का भ्रमण, पशुचिकित्सा शिविर, फार्म साईंस क्लब, स्वयं सहायता समूहों के संयोजकों का सम्मेलन जैसे कार्य किये गये। यह कृषि विज्ञान केन्द्र नव तकनीक और प्रौद्योगिकी को पशुपालकों तक हस्तांतरण के महती कार्य में जुटा हुआ है।

2. स्वीकृत–कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण

2.1 शैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

पद का नाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
आचार्य	74	24	50
सह–आचार्य	125 (*3 आई.सी.ए.आर.)	02	123
सहायक आचार्य	310 (*1 आई.सी.ए.आर.)	98	212
योग	**509**	**124**	**385**

* आई.सी.ए.आर (4 पद)

2.2 अशैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
(i) अधिकारी			
कुलपति	1	1	...
अधिष्ठाता	10	...	10
अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर शिक्षा	1	...	1
निदेशक	2	...	2
कुलसचिव	1	1	...
वित्तनियंत्रक	1	...	1
परीक्षानियंत्रक	1	...	1
अतिरिक्त निदेशक	3	...	3
निदेशक कार्य	1	1	...
पुस्तकालयाध्यक्ष	1	...	1
योग	**22**	**3**	**19**
(ii) कनिष्ठ अधिकारी			
उपकुलसचिव	1	...	1
सहायक कुलसचिव	6	1	5
उप वित्तनियंत्रक	1	1	...
सहायक निदेशक	2	...	2
सहायक अभियंता	5	...	5
उप–पुस्तकालयाध्यक्ष	1	1	...
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	9	...	9
लेखाधिकारी	2	...	2
विधि अधिकारी	1	1	...
कार्यक्रम समन्वयक	1 (**1 के.वी.के.)	1	...
विषय विशेषज्ञ	6 (**6 के.वी.के.)	5	1
योग	**35**	**10**	**25**

2.3 निजी सचिव एवं मंत्रालयिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

क्र.सं.	पद कानाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
1	निजी सचिव	1	1	...
2	सीनियर निजी सहायक	5	3	2
3	निजी सहायक	13	1	12
4	शीघ्र लिपिक	6 (**1 के.वी.के.)	...	6
5	अनुभाग अधिकारी	8	1	7
6	सहायक लेखाधिकारी	3	3	...
7	लेखाकार	9	4	5
8.	सहायक लेखाकार	6	1	5
9.	सहायक अनुभाग अधिकारी	6	4	2
10.	वरिष्ठ लिपिक	24	13	11
11.	कनिष्ठ लिपिक	90 (*2 आई.सी.ए.आर) (***1 जॉबबेसिस)	11	79
12.	स्टोरमुंशी	2	...	2
13.	कम्प्यूटर ऑपरेटर	4	1	3
14.	विधि सहायक	1	...	1
15.	प्रोग्रामर	2	...	2
16.	प्रोग्राम सहायक	4(**2 के.वी.के.)	...	4
	योग	**184**	**43**	**141**

*आई.सी.ए.आर. (2 पद), ** के.वी.के.(3 पद), ***जॉब बेसिस(1 पद)

2.4 अन्य शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
अन्य शिक्षक				
1	वी.ए.एस.	7	...	7
2	पशुचिकित्सा अधिकारी	3 (*1 आई.सी.ए.आर)	...	3
3	अनुदेशक	13	...	13
तकनीकी कर्मचारी				
4	तकनीकी सहायक	68 (*1 आई.सी.ए.आर)	11	57
5	फार्म मैनेजर	2 (**1 के.वी.के.)	...	2
6	फार्म सहायक	2	...	2

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
7	प्रोफेशनल असिस्टैंट (लाईब्रेरियन)	1	...	1
8	सहायक कृषि अधिकारी	4	1	3
9	डेयरी प्लांट ऑपरेटर	1	...	1
10	सीनियर मैकेनिक	1	...	1
11	प्रयोगशाला सहायक	59	2	57
12	जे.टी.ए.	2	...	2
13	आर्टिस्ट	1	...	1
14	स्टॉकमैन / एल.एस.ए.	15 (*3 आई.सी.ए.आर)	...	15
15	राईडिंग इंस्ट्रैक्टर	1	1	...
16	कृषि पर्यवेक्षक	3	...	3
17	लाईब्रेरी सहायक	3	1	2
18	पोल्ट्री सहायक	1	...	1
19	डेयरी सहायक / मिल्क रिकॉर्डर	5	...	5
20	जूनि. कम्पाउंडर	2	...	2
21	बॉयलर ऑपरेटर	1	...	1
22	मैर्टन	1	1	...
23	ड्राईवर	34 (**2 के.वी.के.) (***1 जॉब बेसिस)	9	25
24	पम्प ऑपरेटर	4	2	2
25	मिस्त्री	4	1	3
26	कारपेन्टर	2	...	2
27	वायरमेन	1	1	...
28	पलम्बर	1	...	1
29	ब्लैक स्मिथ	1	...	1
30	जूनियर मैकेनिक / फार्म मैकेनिक	6	5	1
31	क्यूरेटर	1	...	1
	योग	**250**	**35**	**215**

*आई.सी.ए.आर. (5 पद), ** के.वी.के.(3 पद), ***1 जॉब बेसिस (1 पद)

2.5 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
1	हैडमाली	1	...	1
2	बुक लिफ्टर	3	...	3
3	प्रयोगशाला अटैंडेन्ट	61	14	47
4	फार्म वर्कर	78 (***60 जॉब बेसिस)	6	72
5	हाली	3	2	1
6	बुल अटैंडेंट	6	1	5
7	कैटल अटैंडेंट	46	12	34
8	सहायक	30 (**1 के.वी.के.) (***1 जॉब बेसिस)	5	25
9	लाईब्रेरी बॉय	4	2	2
10	तांगा ड्राईवर	1	...	1
11	गार्डनर	8	5	3
12	शीप अटैंडेंट	3	3	...
13	फराश	1	1	...
14	वॉचमैन	7	2	5
15	बस क्लीनर	4	1	3
16	स्वीपर	15 (***4 जॉब बेसिस)	9	6
17	पोल्ट्री अटैंडेंट	7	6	1
18	बुचर	1	1	...
19	मैड	1	...	1
20	हॉस्टल अटैंडेंट	3	3	...
21	शैफर्ड	2	...	2
22	चपरासी	121 (**2 के.वी.के.)	37	84
23	बेलदार	5	3	2
24	साईकिल सवार	1	...	1
25	एनिमल अटैंडेंट	26 (***16 जॉब बेसिस)	7	19

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
26	पोस्टमार्टम अटैंडेंट	1 (***1 जॉब बेसिस)	...	1
27	मैकेनिक	1	...	1
28	मल्टी टास्क सर्विसेज	4 (***4 जॉब बेसिस)	....	4
29	फार्म अटेण्डेन्ट	1 (***1 जॉब बेसिस)	....	1
30	वेटरनरी सर्विस	3 (***3 जॉब बेसिस)	....	3
31	मशीन विद मैन	3 (***3 जॉब बेसिस)	...	3
32	एम.टी.एस.	1 (***1 जॉब बेसिस)	...	1
	योग	**452**	**120**	**332**

** के.वी.के.(3 पद), ***जॉब बेसिस(94 पद)

शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों का योग

	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
(i) शैक्षणिक	509	124	385
(ii) अधिकारी	22	3	19
(iii) कनिष्ठ अधिकारी	35	10	25
(iv) निजी सचिव एवं मंत्रालयिक कर्मचारी (विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों)	184	43	141
(v) अन्य शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारी (विभाग, प्रयोगशाला, फार्म एवं विभिन्न अनुसंधान केन्द्र)	250	35	215
(vi) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	452	120	332
योग(i)+(ii)+(iii)+(iv)+(v)+(vi)	**1452**	**335**	**1117**

*आई.सी.ए.आर. (11 पद), ** के.वी.के. (16 पद), ***जॉब बेसिस (96 पद)

3. विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 3 वर्ष से तुलना

3.1 अकादमिक कार्यक्रम

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की भूमिका शासनादेश के अनुसार यह परिकल्पित है कि विश्वविद्यालय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को विभिन्न स्तरों पर डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी पर डिग्री देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर विधार्थियों को अनेकों शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर रहा है ताकि उनमें ज्ञान एवं नेतृत्व विकसित हो सके और वे कुशल पेशेवर पशुचिकित्सक बन सकें तथा विश्वव्यापी आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला कर सकें। विश्वविद्यालय में शिक्षण का कार्य संकाय अध्यक्ष, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय तथा विभागाध्यक्षों के निर्देशन में करवाया जाता है। विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य मुख्यतः व्याख्यान एवं इलेक्ट्रानिक शिक्षण साधनों का उपयोग, प्रयोगशालाओं में प्रयोगात्मक अध्ययन, चिकित्सालयों और पशुधन फार्मो पर कराया जाता है। स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का आंतरिक एवं बाह्य परिक्षाओं द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों द्वारा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिये स्नातक, स्नातकोत्तर तथा विद्या वाचस्पति स्तर पर विद्यार्थियों को अनुसंधान परियोजना निर्माण, विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय स्तर पर सह पाठ्यक्रम कौशल प्रदान करने, शैक्षणिक भ्रमण और इंर्टनशिप प्रशिक्षण के लिये सुविधाऐं प्रदान की गई।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संघटक महाविद्यालय व डिप्लोमा संस्थान निम्न प्रकार से हैं।

संघटक महाविद्यालय

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर
4. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, जोधपुर (स्वीकृत)
5. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नांवा, नागौर (स्वीकृत)
6. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, मलसीसर, झुंझुनूं (स्वीकृत)
7. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, कोटपूतली, जयपुर (स्वीकृत)
8. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, भरतपुर (स्वीकृत)
9. डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर
10. डेयरी एवं खाध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर

संघटक डिप्लोमा संस्थान

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर
4. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन, जैसलमेर
5. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर, हनुमानगढ़
6. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा, चितौड़गढ़
7. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग, झालावाड़

विश्वविद्यालय द्वारा निजी महाविद्यालयों / संस्थानों को संबद्धता

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम हेतु सात निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालय (अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन, जयपुर, एम.जे.एफ. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, चौमूं जयपुर, अरावली पशुचिकित्सा महाविद्यालय, सीकर, एम. बी. वेटरनरी महाविद्यालय, डूंगरपुर, आर.आर. वेटरनरी एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, देवली, टोंक, महात्मा गांधी वेटरनरी कॉलेज, भरतपुर तथा सौरभ कॉलेज ऑफ वेटरनरी साईन्स, हिण्डौन, करौली) को संबद्धता दी गई है। इसी प्रकार दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु प्रदेश में 74 निजी संस्थानों को विश्वविद्यालय द्वारा संबद्धता प्रदान गई।

वर्तमान में राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के संकाय में निम्नलिखित पाठ्यक्रम कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

उपाधि	पाठ्यक्रम	अवधि
स्नातक पूर्व	**पशुपालन में डिप्लोमा** (भारतीय पशुचिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984 के अनुसार न्यूनतम पशुचिकित्सा सेवा प्रदाताओ के लिए बुनियादी योग्यता)	2 वर्ष
स्नातक	**बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.**	5 वर्ष 6 माह
	बी.टेक डेयरी टेक्नोलोजी, फूड टेक्नोलोजी	8 सेमेस्टर
स्नातकोत्तर	**एम.वी.एससी.** पशु शरीर रचना एवं औतिकी, पशु शरीर क्रिया विज्ञान, पशु जैव रसायन विज्ञान, पशु पोषण, पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, पशु व्याधिकी, पशु सुक्ष्म जैविकी, पशु परजीवी विज्ञान, पशु जनस्वास्थ्य, पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र, पशु जानपदिक रोग विज्ञान एवं निवारक चिकित्सा, पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण, पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा, पशु जैव प्रौद्योगिकी, पशुचिकित्सा भेषज एवं विष विज्ञान, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विज्ञान	2 वर्ष
	एम.एस.सी पशु जैव प्रौद्योगिकी	2 वर्ष
विद्या वाचस्पति	**पीएच.डी.** पशु शरीर रचना एवं औतिकी, पशु शरीर क्रिया विज्ञान, पशु पोषण, पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, पशु व्याधिकी, पशु सुक्ष्म जैविकी, पशु परजीवी विज्ञान, पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र, पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण, पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान, पशु जैव प्रौद्योगिकी, पशुचिकित्सा एवं पशु पालन प्रसार शिक्षा, पशु जनस्वास्थय विज्ञान, पशुचिकित्सा भेषज एवं विष विज्ञान, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	3 वर्ष

3.1.1 स्नातक पाठ्यक्रम (बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.)

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातक (बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच.) पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालयों (सी.वी.ए.एस., बीकानेर, सी.वी.ए.एस., नवानियां, वल्लभनगर, उदयपुर तथा पी.जी.आई.वी.ई.आर. जयपुर) एवं सात संबद्ध निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालयों (अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन, जयपुर, एम.जे.एफ. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, चौमूं जयपुर, अरावली पशुचिकित्सा महाविद्यालय, सीकर, एम. बी. वेटरनरी महाविद्यालय, डूंगरपुर, आर.आर. वेटरनरी एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, देवली, टोंक, महात्मा गांधी वेटरनरी कॉलेज, भरतपुर तथा सौरभ कॉलेज ऑफ वेटरनरी साईन्स, हिण्डौन, करौली) में चलाये जा रहे हैं। भारतीय पशुचिकित्सा परिषद के नये मानदण्डो के अनुसार यह पाठ्यक्रम साढ़े पाँच वर्ष की अवधि (साढ़े चार वर्ष का पाठ्यक्रम और 1 वर्ष का इंटर्नशिप प्रशिक्षण) का है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में यू.जी. पाठ्यक्रम में राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद 100–100 सीटें हैं। स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश राज्य की 85 प्रतिशत सीटों के लिये विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राजस्थान प्री पशुचिकित्सा परीक्षा (आर.पी.वी.टी) के माध्यम से किया गया तथा शेष 15 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश भारतीय पशुचिकित्सा परिषद, नई दिल्ली द्वारा नीट परीक्षा के आधार पर किया गया।

बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच. पाठ्यक्रम में छात्र संख्या

क्र. सं.	संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.						कुल छात्र
		I	I (old)	II	III	IV	प्रशिक्षण	
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	93	79	56	78	72	65	**443**
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	94	88	56	83	69	61	**451**
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	98	73	55	73	60	69	428
	कुल छात्र	**285**	**240**	**167**	**234**	**201**	**195**	**1322**

3.1.2 स्नातक पाठ्यक्रम (बी.टेक)

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातक (बी.टेक) पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के दो संघटक डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों (डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर एवं डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर) में चलाये जा रहे हैं। डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर में बी.टेक इन डेयरी टेक्नोलॉजी में 40 सीटे एवं डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी (जयपुर) में बी.टेक. इन डेयरी टेक्नोलॉजी एवं बी.टेक. इन फूड़ टेक्नोलॉजी में 40–40 सीटें प्रवेश हेतु स्वीकृत हैं। विद्यार्थियों को जैट परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिये जाते हैं। यह पाठ्यक्रम चार वर्ष की अवधि (आठ सेमेस्टर का पाठ्यक्रम) का है।

बी.टेक पाठ्यक्रम में छात्र संख्या

क्र. सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	बी.टेक								कुल छात्र
		I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	
1.	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर	38	06	–	–	–	–	–	–	**44**
2.	डेयरी विज्ञान एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर									
	(अ) डेयरी विज्ञान	14	02	–	–	–	–	–	–	**16**
	(ब) खाद्य विज्ञान	5	04	–	–	–	–	–	–	**9**
	कुल छात्र	**57**	**12**	–	–	–	–	–	–	**69**

3.1.3 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.वी.एससी.)

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.वी.एससी.) विश्वविद्यालय के निम्नलिखित तीन संघटक महाविद्यालयों में चलाये जा रहे है।

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर

विश्वविद्यालय ने वर्तमान में उपलब्ध शिक्षकों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए एवँ शिक्षा की गुणवता सुनिश्चित करने के लिये 113 पी.जी. सीटें स्वीकृत की। स्टॉफ और सुविधाओं की उपलब्धता के आधार पर एम.वी.एससी. के लिए प्रत्येक विषय में कम से कम तीन और अधिकतम छः सीटें हैं। एम.वी.एससी. में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्री.पी.जी परीक्षा द्वारा राज्य की सीटों पर किया जाता है इसके अलावा प्रत्येक विषय में एक–एक सीट पर प्रवेश आईसीएआर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्री.पी.जी. परीक्षा के माध्यम से किया गया। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नात्तकोतर पाठ्यक्रम पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानियाँ, उदयपुर तथा स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान संस्थान, जयपुर में निम्नलिखित विषयों में चलाये जा रहे हैं।

पशुचिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम के लिए सीटों की संख्या

क्र. सं.	विषय	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर			पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ उदयपुर		पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	
		राज्य	आई.सी.ए.आर.	संदाय	राज्य	संदाय	राज्य	संदाय
1.	पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी	1	1	1	1	1	1	1
2.	पशु पोषण	2	1	2	2	1	2	1
3.	पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन	2	1	2	1	1	1	1
4.	पशु शरीर रचना एवं औतिकी	1	–	1	1	1	–	–
5.	पशुचिकित्सा एवं पशु पालन प्रसार शिक्षा	1	–	1	–	1	1	1
6.	पशु जैव रसायन	1	–	1	–	–	1	1
7.	पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र	2	1	1	2	2	2	2
8.	पशु जानपदिक रोग विज्ञान एवं निवारक चिकित्सा	–	–	–	–	–	–	–
9.	पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान	2	–	2	1	1	1	1
10.	पशु सूक्ष्म–जैविकी	1	–	1	2	1	1	1
11.	पशु परजीवी विज्ञान	–	–	–	1	1	1	1
12.	पशु व्याधिकी	2	–	2	2	1	1	1
13.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	1	–	1	–	1	1	1
14.	पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य विज्ञान	2	1	1	–	1	1	1
15.	पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण	5	–	3	–	–	2	2
16.	पशु जैव प्रौद्योगिकी	–	–	–	–	–	–	–
17.	पशुचिकित्सा औषध एवं विष विज्ञान	2	–	2	–	–	–	–
18.	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	1	–	1	–	1	1	1
	कुल	**26**	**05**	**22**	**13**	**14**	**17**	**16**

नोट : प्रवेश के समय विश्वविद्यालय के विभागों में शिक्षकों एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्रत्येक वर्ष विभिन्न विषयों में सीटों को बढ़ाया या घटाया जाता है।

एम.वी.एससी. पाठ्यक्रम में छात्र संख्या

संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	एम.वी.एससी.		कुल छात्र संख्या
	I	II	
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	53	49	**102**
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	27	20	**47**
पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	22	25	**47**
कुल छात्र	**102**	**94**	**196**

3.1.4 विद्या–वाचस्पति / डाक्टरेट पाठ्यक्रम (पीएच.डी.)

डाक्टरेट पाठ्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियमन के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्री. पी.जी. एवं पीएच.डी परीक्षा के आधार पर निम्नलिखित विषयों में दिये जाते हैं। पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर एवं पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर (उदयपुर) में डाक्टरेट पाठ्यक्रम सत्र् 2015–16 से शुरू किया गया हैं। विश्वविद्यालय ने वर्तमान में उपलब्ध शिक्षकों की उपलब्धता के आधार पर चालू सत्र में 46 पीएच.डी. की सीटें हैं।

पशुचिकित्सा विज्ञान में विद्या–वाचस्पति / डाक्टरेट (पीएच.डी.) के पाठ्यक्रम के लिए सीटों की संख्या

क्र. सं.	विषय	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर			पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ उदयपुर		पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	
		राज्य	आई.सी.ए.आर.	संदाय	राज्य	संदाय	राज्य	संदाय
1.	पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी	–	–	–	1	1	–	–
2.	पशु पोषण	1	1	1	1	1	1	1
3.	पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन	2	–	1	1	–	1	1
4.	पशु शरीर रचना एवं औतिकी	–	1	1	1	–	–	–
5.	पशुचिकित्सा एवं पशु पालन प्रसार शिक्षा	1	–	1	–	–	–	–
6.	पशु जैव रसायन	–	–	1	–	–	–	–
7-	पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र	1	–	1	1	1	1	1
8-	पशु जानपदिक रोग विज्ञान एवं निवारक चिकित्सा	–	–	1	–	–	–	–
9-	पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान	–	–	–	–	–	–	–
10-	पशु सुक्ष्म–जैविकी	–	–	1	1	–	–	–
11-	पशु व्याधिकी	1	1	1	1	–	–	–
12-	पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण	2	1	1	–	–	–	–
13-	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	–	–	–	–	–	1	1
14-	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	–	–	1				
15-	पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य विज्ञान	1	1	1	–	–	–	–
16-	पशु जैव प्रौद्योगिकी	–	–	–	–	–	–	–
17-	पशुचिकित्सा औषध एवं विष विज्ञान	1	–	1	–	–	–	–
	कुल	**10**	**05**	**13**	**07**	**03**	**04**	**04**

नोट : प्रवेश के समय विश्वविद्यालय के विभागों में शिक्षकों एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्रत्येक वर्ष विभिन्न विषयों में सीटों को बढ़ाया या घटाया जाता है।

पी.एच.डी. पाठ्यक्रम में छात्र संख्या

संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	पीएच.डी.			कुल छात्र
	I	II	III	
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	23	11	12	**46**
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	05	–	05	**10**
पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	06	01	05	**12**
कुल छात्र	**34**	**12**	**22**	**68**

3.1.5 पशुपालन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ए.एच.डी.पी.)

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालन में स्वरोजगारोन्मुख दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2007–08 से चलाया जा रहा है। विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम के लिए बुनियादी सुविधाऐं हॉस्टल, नैदानिक सुविधाऐं, फार्म सहित मौजूदा सुविधाओं का उपयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय के अधिन वर्ष 2022–23 में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 7 संघटक एवं 74 अन्य संबद्ध संस्थान चल रहे हैं।

विश्वविद्यालय के संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों में छात्र संख्या

क्र. सं.	संघटक एवं संबद्ध पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों का नाम	डिप्लोमा पाठ्यक्रम		कुल छात्र संख्या
		I	II	
1.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	48	39	87
2.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर	49	47	96
3.	स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर	47	46	93
4.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, नोहर, हनुमानगढ़	47	45	92
5.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चांदन, जैसलमेर	46	37	83
6.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चित्तौड़गढ़	50	45	95
7.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, डग, झालावाड़	48	44	92
कुल छात्र		**335**	**303**	**638**

स्वीकृत सीटों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

पाठ्यक्रम	अवधि	स्वीकृत छात्र संख्या		
		2020–21	2021–22	2022–23
स्नातक	5 वर्ष 6 माह	240	240	300
	8 सेमेस्टर	–	120	120
स्नाकोत्तर	2 वर्ष	105	107	113
विद्या वाचस्पति	3 वर्ष	33	35	46
*स्नातक पूर्व (डिप्लोमा पाठयक्रम)	2 वर्ष	350	350	350

* संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थाए

बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच. पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2020–21	2021–22	2022–23
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	362	362	443
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	354	354	451
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	346	345	428
कुल छात्र		**1062**	**1061**	**1322**

बी.टेक पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2020–21	2021–22	2022–23
1.	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर	–	06	44
2.	डेयरी विज्ञान एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर			
3.	(अ) डेयरी विज्ञान	–	02	16
	(ब) खाद्य विज्ञान	–	04	09
कुल छात्र		–	**12**	**69**

एम.वी.एससी. पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2020–21	2021–22	2022–23
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	115	106	102
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	47	50	47
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	53	56	47
कुल छात्र		**215**	**212**	**196**

पी.एच.डी. पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2020–21	2021–22	2022–23
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	56	45	46
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	09	11	10
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	18	16	12
कुल छात्र		**83**	**72**	**68**

संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक एवं संबद्ध पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों का नाम	2020—21	2021—22	2022—23
1.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	81	81	87
2.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर	92	92	96
3.	स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर	82	82	93
4.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, नोहर, हनुमानगढ़	89	89	92
5.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चांदन, जैसलमेर	75	74	83
6.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चित्तौड़गढ़	95	95	95
7.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, डग, झालावाड़	85	85	92
कुल छात्र		**599**	**598**	**638**

स्वीकृत एवं कार्यरत पदों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

पद का नाम	2020—21			2021—22			2022—23		
	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
आचार्य	54	19	35	59	26	3	74	24	50
सह–आचार्य	103	14	89	114	2	112	125	02	123
सहायक आचार्य	209	102	107	253	99	154	310	98	212
अधिकारी	16	4	12	19	4	15	22	3	19
कनिष्ठ अधिकारी	29	8	21	32	4	28	35	10	25
मंत्रालयिक कर्मचारी	155	52	103	170	36	134	184	43	141
तकनीकी कर्मचारी	218	41	177	241	38	203	250	35	215
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	420	150	270	440	124	316	452	120	332
योग	**1204**	**390**	**814**	**1328**	**333**	**995**	**1452**	**335**	**1117**

3.2 अनुसंधान परियोजनाएँ:–

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर में इस वर्ष 09 राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाएं, 10 राज्य पोषित अनुसंधान परियोजनाएं एवं 05 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित पर योजनाएं संचालित की गई।

क्र.सं.	परियोजनाएं	2020–21	2021–22	2022–23
1	भारतीय कृषि अनुसंधान परियोजनाएं	05	05	05
2	राज्य पोषित अनुसंधान परियोजनाएं	10	10	10
3	राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं	08	07	09

राज्य पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ:

इसके अंतर्गत अनुदान अनुसंधान केंद्र स्थापित है, इसमें राठी गौवंश का सरंक्षण, मूल्यांकन एवं सुधार हेतु नोहर व बीकानेर में, कांकरेज एवं साहीवाल नस्ल गौवंश प्रजनन फार्म, कोडमदेसर, गिर गौवंश प्रजनन फार्म वल्लभनगर (उदयपुर), थारपारकर प्रजनन फार्म बीछवाल (बीकानेर) व चाँदन (जैसलमेर), मालवी गौवंश पशु प्रजनन फार्म डग (झालावाड़), सिरोही बकरी प्रजनन फार्म बोजुन्दा (चितौड़गढ़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित है।

उच्च गुणवत्ता वाले गौवंश का वितरण:

क्र.सं.	पशुधन अनुसंधान केन्द्र का नाम	2020–21	2021–22	2022–23
1	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर (राठी)	165	30	154
2	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर (राठी)	15	50	48
3	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चाँदन (थारपारकर)	63	107	137
4	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल (थारपारकर)	22	68	84
5	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर (कांकरेज)	442	08	223
6	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर (साहीवाल)	96	25	71
7	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, वल्लभनगर (गिर)	153	28	169
8	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग (मालवी)	58	27	69

पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा, (चितौड़गढ़) में संचालित परियोजना के अन्तर्गत सिरोही बकरियों में अनुवांशिक सुधार हेतु उच्च गुणवत्ता वाले सिरोही बकरे क्रमशः 2020–21 में 159, 2021–22 में 73 एवं 2022–23 में 178 रजिस्टर्ड पशुपालकों को विररित किए गए।

जैविक प्रमाणीकरण:

इसके साथ ही पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल में 110 हेक्टर भूमि व 148 बकरियों, कोडमदेसर में 65 हेक्टर भूमि, चाँदन में 100 हेक्टर भूमि व 87 बकरियों, वल्लभनगर में 25 हेक्टर भूमि, 58 बकरियों व 41 गौवंश, पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा में 15 हेक्टर भूमि व 408 बकरियों, सरमथुरा धौलपुर में 25 हेक्टर भूमि व 226 बकरियों को पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर में 5.69 हेक्टर भूमि व 32 बकरियों का जैविक प्रमाणीकरण किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदः

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं के अंतर्गत इस विश्वविद्यालय के अधीन निम्नलिखित परियोजनाएं संचालित है।

पशुओं की शल्य चिकित्सा स्थितियों के निदान, इमेजिंग और प्रबंधन पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रमं (बीकानेर):

क्र.सं.	परीक्षण / शल्य चिकित्सा	2020—21	2021—22	2022—23
1	सीटी स्केन परीक्षण	48	24	54
2	इलैक्ट्रोटिनोग्राफी द्वारा नेत्र विकार का परीक्षण	58	10	69
3	फेकोईमल्सीफिकेशन व ईसीई तकनीक द्वारा मोतियाबिन्द की शल्य चिकित्सा	10	07	17
4	हड्डी विकार सम्बन्धी शल्य चिकित्सा	687	358	702
5	डायोड लेजर द्वारा शल्य चिकित्सा	29	59	41
6	कार्बन डाई ऑक्साईड लेजर द्वारा शल्य चिकित्सा	31	55	63

सूरती भैंस उन्नयन हेतु नेटवर्क परियोजना (वल्लभनगर):

क्र.सं.	परीक्षण / शल्य चिकित्सा	2020—21	2021—22	2022—23
1	पशु संख्या	167	185	187
2	गर्भाधान दर	35.96	36.78	37.23
3	सीमन संग्रहण (डोज)	9104	9545	9674
4	औसत उत्पादन ब्यात (कि.ग्रा.)	1633.00	1847.00	1896.00
5	कृत्रिम गर्भाधान	1678	1880	1927
6	उपलब्ध संततियां	620	765	806
	कुल सत्यापित पाडे	**14**		

ए.आई.सी.आर.पी. मारवाड़ी बकरी परियोजना (बीकानेर):

इस परियोजना में पंजीकृत किसानों की संख्या 2020—21 में कोरोना महामारी के बावजुद 76 हुई है तथा 2021—22 में 92 है। वर्ष 2020—21 में 20, 2021—22 में 22 तथा 2022—23 में 27 उच्च गुणवत्ता वाले बकरे पंजीकृत पशुपालकों को निःशुल्क वितरित किए गये है।

ए.आई.सी.आर.पी. सोनाडी भेड़ परियोजना (वल्लभनगर):

इस परियोजना के अंतर्गत सोनाडी भेड़ नस्ल सुधार हेतु वर्ष 2020—21 में 56, 2021—22 में 71 तथा 2022—23 में 97 उच्च गुणवत्ता वाले मेंढ़ो का वितरण किया गया व साथ ही अनुसुचित जनजाति पशुपालकों को प्रशिक्षण दिया गया है तथा इन पशुपालकों को खादी कम्बल, टॉर्च, छाता, अजौला बीज, कर्मी खाद, पशु आहार व फिडिंग ट्रफ का निशुल्क वितरण भी किया गया।

ए.आई.सी.आर.पी. सिरोही बकरी परियोजना (वल्लभनगर):

क्र.सं.	परीक्षण / शल्य चिकित्सा	2020—21	2021—22	2022—23
1	पंजीकृत किसान	103	107	113
2	प्रजनन योग्य बकरियां	1851	1896	1927
3	सिरोही नर आवंटन	50	57	69
4	उन्नत संतति उत्पन्न	1171	1285	1337
5	दुग्ध उत्पादन (ली. प्रति बकरी / 150)	97.07±3.11	98.13±4.01	98.94±4.85
6	शारीरिक वृद्धि (9 माह पर) (किग्रा)	19.53±0.47	19.97±0.39	20.07±0.27

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना :

राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाओं में पूर्व में स्वीकृत 22 परियोजनाओं का उद्देश्य पूर्ण हो गया है व नौ परियोजनाऐं इस वर्ष भी जारी है। जिसमें दो नई परियोजनाएं जयपुर में किसान छात्रावास की सुविधाएं, बी.एस.एल. प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। सात चालू परियोजनाओं में जयपुर में जूनोटिक रोगों का निदान, निगरानी एवं प्रतिक्रिया केन्द्र, किसानों के लिये प्रशिक्षण केन्द्र तथा दक्षिणी राजस्थान में गाय—भैंसों की प्रजनन क्षमता बढ़ाने के लिए राजकीय पैरावेट को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की दुग्ध समितियों के सचिवों और प्रयोगशाला कार्मिकों को स्वच्छ और गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पादन के लिए दक्षता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे है। राज्य में देशी नस्ल की मुर्गियों के जर्मप्लाज्म को गुणित करने के लिए पोल्ट्री इकाई का गठन किया जा रहा हैं। देशी गौवंश राठी के फार्म को जैविक डेयरी फार्म के रूप में विकसित किया जा रहा हैं। विश्वविद्यालय के पशुधन अनुसंधान केन्द्रो पर पशु आहार प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा उपचार एवं फार्म की बेहतरी सेवाओं की परियोजनाएं भी शामिल है।

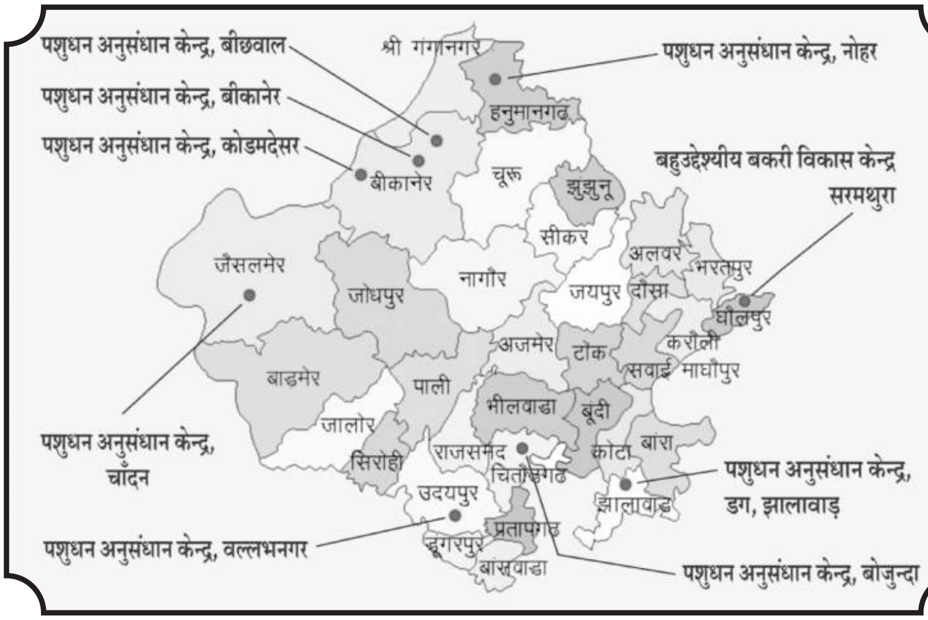

पशुधन अनुसंधान केन्द्र

3.3 प्रसार शिक्षा कार्यक्रम

प्रसार शिक्षा निदेशालय एक नोडल एजेन्सी के रूप में विश्वविद्यालय के लिए राज्य में पशुधन विकास का कार्य कर रहा है। प्रसार शिक्षा निदेशालय विश्वविद्यालय के तीन प्रमुख स्तम्भों शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार में से एक महत्त्वपूर्ण स्तम्भ है। प्रसार शिक्षा निदेशालय अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पशुपालक समुदाय को नवीन तकनीकों व प्रचार–प्रसार सेवाओं को गांव–ढांणी तक पहुंचाकर पशुधन कल्याण व विकास के महत्ती कार्य में जुटा हुआ है। पशुधन विकास के लिए विश्वविद्यालय के जनोपयोगी अनुसंधान कार्यों और उन्नत तकनीकों के शीघ्र हस्तांतरण के लिए निदेशालय वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ–साथ पशुपालकों व गौशाला प्रबंधकों की उन्नत पशुपालक गोष्ठियों का आयोजन, सलाहकारी सेवाएं और संभावित पशुरोगों की रोकथाम के लिए रोग पूर्वानुमान बुलेटिन जारी करने जैसे कार्य करके कृषकों और पशुपालकों को लाभ पहुंचा रहा है। इसके साथ ही पशुओं के बांझपन निवारण शिविर, पशुओं की रोग निदान सेवाएं, कृषक प्रशिक्षण, कृषक–वैज्ञानिक संवाद, प्रथम पंक्ति प्रदर्शन जैसे आयोजनों में भी इस निदेशालय की सक्रिय भागीदारी रहती है। विश्वविद्यालय के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में यह निदेशालय प्रसार शिक्षा कार्यक्रमों के दिशा–निर्देश, निगरानी और मूल्यांकन जैसे कार्य करता है। राजुवास का प्रसार शिक्षा निदेशालय वैज्ञानिक प्रशिक्षण, सलाहकारी सेवाएं और संचार जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु उनकी समस्याओं के समाधान हेतु राज्य के 15 जिलों में पशु विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये पशु विज्ञान केन्द्र बाकलिया (नागौर), सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), रतनगढ़ (चूरू), कुम्हेर (भरतपुर), कोटा, सिरोही, डूंगरपुर, अविकानगर (टोंक), धौलपुर, बौजूंदा (चितौड़गढ़), लूणकरणसर (बीकानेर), जोधपुर, झुंझुनूं जोबनेर (जयपुर) एवं जालौर में स्थित है तथा एक कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) में स्थापित किया गया है। प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं पशु विज्ञान केन्द्रों के द्वारा पशु कल्याण सेवाओं के अन्तर्गत विभिन्न प्रसार गतिविधियों के तहत इस वर्ष 749 पशुपालक प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर कुल 22192 पशुपालकों को लाभांवित किया गया है।

पिछले तीन वर्षो का पशु विज्ञान केन्द्रों का तुलनात्मक विवरण

	2020–21	2021–22	2022–23
पशु विज्ञान केन्द्रों की संख्या	14	15	15
प्रशिक्षण कार्यक्रम	858	1044	749
प्रशिक्षण लाभार्थी	18051	35319	22192

ऑनलाईन / संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने अभिनव नवाचार करते हुए किसानों एवं पशुपालकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ किये। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) द्वारा अब तक 751 ऑनलाईन, संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिससे 22286 पशुपालक एंव कृषकों को लाभान्वित किया गया है।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) के अन्तर्गत किसानों एवं पशुपालकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किये जा रहे है। इस वर्ष 43 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 1309 पशुपालकों एवं कृषकों को लाभान्वित किया गया।

रोग निदान तकनीकों पर 100 फिल्ड पशुचिकित्सकों का प्रशिक्षण

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं पशुपालन विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में फील्ड पशुचिकित्सकों के लिए भारत सरकार की एस्केड परियोजना के अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर पशुओं में रोग निदान एवं

नियंत्रण विषय पर आयोजित किये गये। पांच दिवस के कुल पांच प्रशिक्षणों में से 3 प्रशिक्षण बीकानेर में तथा एक एक प्रशिक्षण पी. जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर एवं वेटरनरी कॉलेज, उदयपुर में आयोजित किय गये।

जोबनेर में विश्वविद्यालय के नए पशु विज्ञान केन्द्र के नवीन भवन का लोकार्पण

माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया द्वारा 19 जनवरी, 2022 को वेटरनरी विश्वविद्यालय के 16 वें पशु विज्ञान केन्द्र, जोबनेर (जयपुर) का शिलान्यास किया गया एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा 22 दिसम्बर, 2022 को वेटरनरी विश्वविद्यालय के 16वें पशु विज्ञान केन्द्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार कार्यक्रमों की महत्ता को देखते हुए एवं पशुपालकों को उन्नत तकनीकों के माध्यम से उन्नयन के लिए वर्ष 2021—22 की बजट घोषणा के अर्न्तगत जोबनेर पशु विज्ञान केन्द्र की स्थापना की क्रियान्विती हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई थी।

विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के नवीन भवन का लोकार्पण

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के नए भवन का लोकार्पण 17 अगस्त 2022 को माननीय विधायक नोहर श्री अमित चाचाण द्वारा किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के वितीय सहयोग से कृषि विज्ञान केन्द्र का भवन इक्यासी बीघा भूमि में एक करोड़ चौवालीस लाख रूपए की लागत से बनाया गया है। साथ ही किसान हॉस्टल के लिए 91.50 लाख की राशि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा स्वीकृति जारी की गई है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के रिक्त पदो पर भर्ती

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के लिए भारतीय कृषि अनुसधांन परिषद्, नई दिल्ली से स्वीकृत शैक्षणिक पदो पर विश्वविद्यालय द्वारा भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष तथा पांच विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति प्रदान की गई।

किसान—पशुपालक एवं कृषि मेला का आयोजन

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन संचालित पशु विज्ञान केंद्र, सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) द्वारा उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) श्रीगंगानगर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 16 नवम्बर को किसान पशुपालन एवं कृषि मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सौरव स्वामी, जिला कलेक्टर (श्रीगंगानगर), विशिष्ट अतिथि अरविंद जाखड़ (अतिरिक्त जिला कलेक्टर), संदीप कुमार, उपखण्ड अधिकारी (सूरतगढ़) थे। जिला कलेक्टर ने आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर 75 प्रगतिशील पशुपालकों को सम्मान प्रतीक भेंटकर सम्मानित किया तथा विभिन्न जिलों से आए हुए पशुपालकों व किसानों को संबोधित करते हुए कहा सीमांत और लघु किसानों को प्रगतिशील पशुपालकों से प्रेरित होकर पशुपालन व खेती में नए आयाम स्थापित कर एक जागरूक पशुपालक बने तथा सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ भी उठाएं। इस कार्यक्रम में 900 से अधिक पशुपालकों व किसानों ने भाग लिया।

गोबर—गौमूत्र प्रसंस्करण प्रशिक्षण अभियान पर कार्यशाला आयोजित

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा गोबर—गौमूत्र के जैविक उत्पादों के प्रसंस्करण प्रशिक्षण विषय पर 30 मई को कार्यशाला का आयोजन किया गया। वेटरनरी विश्वविद्यालय और राजस्थान गौ—सेवा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में कृषि, पशुपालन, नाबार्ड, कृषि विश्वविद्यालय, आत्मा, महिला बाल विकास, आदि विभागों के प्रभारी अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन थे। मुख्य अतिथि ने आश्वासन दिया है कि वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा इस बाबत राज्य सरकार को भिजवाई गई परियोजना के लिए प्रशासनिक स्तर पर पूरा सहयोग किया जाएगा। बीकानेर संभाग को इसके लिए एक मॉडल स्वरूप में विकसित करने के लिए ग्रामीण स्तर पर गौ उत्पादों के जैविक प्रसंस्करण कार्यो के लिए युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाये। बीकानेर जिले के 9 ब्लॉक में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे जिसमें वेटरनरी विश्वविद्यालय के साथ—साथ नाबार्ड, कृषि एवं पशुपाल विभाग सहयोगी रहेंगे।

किसान मेला एवं सह कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़–II) द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, अटारी, जोधपुर के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अन्तर्गत किसान मेला एवं सह कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत समिति प्रधान सोहन ढिल तथा विद्यायक प्रतिनिधि सुभाष इन्दौरिया, कृषि अधिकारी द्वारका प्रसाद, हनुमानगढ़ जिला परिषद् सदस्य दीपचंद बेनीवाल व रामकुमार सैनी, उप प्रधान पंचायत समिति,नोहर, प्रगतिशील किसान लालसिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था।

फैकल्टी डेवलपमेन्ट कार्यक्रम के तहत सहायक आचार्यों का प्रशिक्षण

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना एवं राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (नार्म) हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में वेटरनरी विश्वविद्यालय के 60 सहायक प्राध्यापकों को "नेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर फैकल्टी डवलपमेन्ट" विषय पर 7 दिवसीय ऑनलाईन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। समापन सत्र में कुलपति प्रो. सतीश के गर्ग ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण सहायक प्राध्यापकों के शैक्षणिक एवं अनुसंधान कौशल विकास में सहायक सिद्ध होते है। शैक्षणिक एवं शोध सम्बन्धित नवीन तकनीकों की जानकारी से प्रशिक्षणार्थियों का व्यक्तित्व विकास होता है एवं इनके कार्य में निपुणता आती है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. आर.वी.एस. राव एवं संयुक्त निदेशक, नार्म डॉ. जी. वेंकटेश्वरलु ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अन्वेषक एन.ए.एच.ई.पी. एवं निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. राजेश कुमार धूड़िया ने बताया कि वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर एवं वेटरनरी कॉलेज, उदयपुर के 30–30 सहायक प्राध्यापकों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

पशु विज्ञान केन्द्र, लूनकरणसर द्वारा प्रदर्शन ईकाई वितरण

वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित पशु विज्ञान केन्द्र, लूणकरणसर, बीकानेर में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) द्वारा प्रायोजित प्रदर्शन इकाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन 22 फरवरी को किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने पशु विज्ञान केन्द्र पर नेपियर, अजोला, औषधीय पादप प्रर्दशन इकाईयों के साथ साथ प्रयोगशाला आदि का अवलोकन किया। पशुपालकों को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने पशु विज्ञान केन्द्र को खोलने के राज्य सरकार के कदम को सराहा तथा पशुपालकों को विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा समय समय पर दिये जाने वाले प्रशिक्षणों में भाग लेने, ऑर्गेनिक खेती अपनाने एवं देशी नस्ल संवर्द्धन हेतु प्रोत्साहित किया। श्री पुरखाराम, सदस्य प्रबंधन मंडल राजुवास ने पशुपालकों को एन्टरप्रेन्योर बनने हेतु प्रेरित किया। प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने विश्वविद्यालय एवं केंद्र की प्रसार गतिविधियों एवं पशुपालकों के आर्थिक विकास में योगदान पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉसिबिलिटी के अंतर्गत गोद लिए गांव गाढ़वाला में लम्पी रोग उपचार हेतु पशुचिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

वेटरनरी विश्वविद्यालय के वेटरनरी क्लिनिकल कॉम्प्लेक्स द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉसिबिलिटी के अंतर्गत गोद लिए गांव गाड़वाला में 13 सितम्बर को पशुचिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। निदेशक क्लिनिक्स डॉ. प्रवीण बिश्नोई ने बताया कि शिविर के दौरान लम्पी रोग से ग्रसित 160 पशुओं का उपचार कर दवा दी गई। इसके अलावा शिविर में बांझपन, फुराव, चिंचड़ संक्रमण, पाईका जैसे रोगों का उपचार भी किया गया। प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने बताया कि यह शिविर आगामी 5 दिनों तक आयोजित किया गया।

"राजुवास ई–पशुपालक चौपाल"

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों को समर्पित एक डिजीटल मंच "राजुवास ई–पशुपालक चौपाल" का राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर, 2020 से शुभारम्भ किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य गांव व ढाणी में बैठे पशुपालकों व किसानों को पशु कल्याण, पशु उत्पादन तकनीक व पशुपालन के क्षेत्र में राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान के विभिन्न विषय–विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों द्वारा वार्ताओं का प्रसारण राजुवास ई–पशुपालक चौपाल की श्रृंखला के माध्यम से प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ बुधवार को किया जा रहा है। इस वर्ष 6 राजुवास ई–पशुपालक चौपाल वार्ताओं का प्रसारण कर 12700 किसानों एवं पशुपालकों को लाभान्वित किया गया।

''धीणें री बात्यां'' रेडियो कार्यक्रम

पशुपालकों और कृषकों के लिए वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा 10 जनवरी, 2013 से आकाशवाणी से 'धीणे री बात्यां' का प्रसारण शुरू किया गया। यह कार्यक्रम प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार को सांय 5:30 बजे से प्रसारित किया जा रहा है। ''धींणे री बात्यां'' कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन के विशेषज्ञों द्वारा उपयोगी सामयिक वार्ताएं और नवीन तकनीकी और पशुपालन क्षेत्र में आ रहे नवाचारों के बारे में जानकारी दी जाती है। इसका लाभ पूरे राज्य के किसानों व पशुपालकों को मिल रहा है। दिसम्बर, 2022 में इस कार्यक्रम का 369 वां प्रसारण किया गया।

टोल फ्री हैल्पलाइन सुविधा

विश्वेटरनरी विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी टोल–फ्री हैल्पलाइन सेवा पर कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी किसी भी समय पर वेटरनरी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों, शिक्षकों अथवा अधिकारियों से बातचीत कर अपनी जिज्ञासा तथा शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सकते है। इस वर्ष में लगभग **71235** से अधिक कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी इस सेवा के माध्यम से लाभान्वित हो चुके है। यह हैल्पलाइन राज्य के पशुपालकों के लिए पशुचिकित्सा विशेषज्ञों से सम्पर्क कर समस्याओं का निदान करने का प्रमुख जरिया बना है।

पिछले तीन वर्षो का टोल फ्री हैल्पलाइन सुविधा का तुलनात्मक विवरण

वर्ष	**2020–21**	**2021–22**	**2022–23**
लाभार्थी	45000	60453	71235

पशु विज्ञान केन्द्रों पर पशु रोग निदान सेवाएं

विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर प्रारम्भिक तौर पर रोग निदान सेवाएं प्रारम्भ कर दी गई है, साथ ही इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा 3290 दूध, रक्त, मूत्र, त्वचा एवं गोबर आदि के नमूनों की जांच कर पशुपालकों को पशुरोगों के प्रति जागरूक किया गया है।

पिछले तीन वर्षो का पशु रोग निदान सेवाओं का तुलनात्मक विवरण

	2020–21	**2021–22**	**2022–23**
दूध, रक्त, मूत्र, त्वचा एवं गोबर आदि के नमूनों की जांच	1588	1014	3209

मासिक पत्रिका ''पशुपालन नए आयाम'' का प्रकाशन

विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रतिमाह एक मासिक पत्रिका ''पशुपालन नए आयाम'' का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका में पशुपालकों को पशुपालन उपयोगी तकनीकी और वैज्ञानिक जानकारी, पशु रोगों और उनके उपचार के साथ–साथ पौष्टिक आहार, प्रजनन और पशु प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाती है। प्रतिमाह पत्रिका को पशुपालकों एवं किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। समय–समय पर अन्य प्रकाशन जैसे फोल्डर, बुकलेट, लिफलेट इत्यादि भी प्रकाशित किये जाते है। ये सभी प्रकाशन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। गोबर–गौमूत्र प्रसंस्करण प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत गोबर–गौमूत्र प्रसंस्करण पर बुकलेट प्रकाशित की गई।

पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित अन्य प्रसार गतिविधियां

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन विभिन्न जिलो मे स्थापित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा विचार गोष्ठी, कृषक–वैज्ञानिक संवाद, तकनीकी स्थानान्तरण, जागरूकता कार्यक्रम, क्षेत्र–भ्रमण आदि विभिन्न प्रसार गतिविधियां आयोजित की गई है। इस वर्ष 578 अन्य प्रसार गतिविधियां आयोजित कर 16631 पशुपालकों एवं किसानों को लाभान्वित किया गया है।

4. आलौच्य वर्ष में विशेष पहल एवं उपलब्धियां :-

❖ राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2022–23 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अर्न्तगत भरतपुर, कोटपूतली एवं मलसीसर (मण्डावा) झुंझूनूं में नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य सरकार ने नवीन पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय मलसीसर (झुंझुनूं), कोटपूतली (जयपुर) और भरतपुर हेतु तीनो महाविद्यालयों के लिए 29–29 शैक्षणिक एवं 12–12 अशैक्षणिक पद का सर्जन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है इसके साथ ही नवीन महाविद्यालय के भवन निर्माण, उपकरण, कैमिकल एवं ग्लासवेयर तथा कार्यालय व्यय हेतु वित्तीय स्वीकृती सहमती प्रदान की है।

❖ इंडियन सोसायटी फॉर वेटरनरी सर्जरी का तीन दिवसीय 44 वां वार्षिक सम्मेलन जी.बी. पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में 24 से 26 फरवरी को आयोजित किया गया। सेमिनार में सर्जरी एवं रेडियोलॉजी विभाग के डॉ. प्रवीण बिश्नोई, डॉ. साकार पालेचा एवं डॉ. सत्यवीर सिंह के श्वान में सी.टी. स्केन के कार्यों पर शोध पत्र को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। डॉ. सुरेश कुमार झीरवाल के गौशालाओं के मवेशियो में आंखों के विभिन्न विकार एवं इलाज विषय पर शोध पत्र को गोल्ड मेडल एवं बेस्ट क्लिनिशियन अवार्ड हेतु चुना गया। सर्जरी विभाग, राजुवास के स्नातकोत्तर छात्र राकेश टेलर के शोध पत्र को प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चुना गया। डॉ. अनिल कुमार बिश्नोई को शल्य चिकित्सा सोसायटी का जोनल सेक्रेटरी भी चुना गया। इस सम्मेलन में राजुवास के 4 वैज्ञानिकों एवं 15 स्नातक छात्रों ने भाग लिया।

❖ माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र एवं माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द जी कटारिया द्वारा विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संविधान पार्क का लोकार्पण 29, जुलाई 2022 को किया गया। संविधान पार्क का उद्देश्य परिसर में युवाओं एवं आम नागरिकों को संविधान की मूलसंरचना, संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के साथ साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध करवाते हुए राष्ट्र भावना को जागृत करना है। समारोह में राजुवास के पारंपरिक पशुचिकित्सा पद्धतियां एवं वैकल्पिक औषधि विज्ञान केन्द्र का लोकार्पण किया गया एवं केन्द्र द्वारा तैयार थनैला रोग की हर्बल औषधि का वेटरनरी विश्वविद्यालय और गिरिराज इंडस्ट्रीज फिरोजाबाद के मध्य तकनीकी हस्तांतरण पर एक आपसी करार (एम.ओ.यू.) किया गया। समारोह में राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार और राजुवास के संस्थापक कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत, विशेषाधिकारी गोविंदराम जायसवाल मंचस्थ अतिथि रूप शामिल हुए। महापौर बीकानेर सुशीला कंवर राजपुरोहित, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला श्रीमती मन्जु गर्ग, श्रीमती अरूणा गहलोत, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.के. सिंह और बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अम्बरीश एस. विद्यार्थी साक्षी बने। समारोह में जिले के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, आई.सी.ए.आर. के निदेशक व अधिकारीगण, राजुवास के वित्तनियंत्रक, प्रताप सिंह पूनिया, डीन–डॉयरेक्टर, अधिकारी, विद्यार्थिगण एवं कर्मचारी शामिल हुए।

❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, नोहर के चक 27 एन.टी.आर. में भवन का लोकार्पण 17 अगस्त, 2022 को माननीय विधायक, नोहर श्री अमित चाचाण के द्वारा किया गया। किसानों को सम्बोधित करते हुए माननीय विधायक अमित चाचाण ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र के स्थाई भवन के निर्माण से किसानों एवं पशुपालकों को तकनीकी एवं आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्थाई भवन निर्माण होने पर कृषि विज्ञान केन्द्र अब अपनी वास्तविक विकास गति को पकड़ पाएगा। भवन के निर्माण होने से यहां विभिन्न प्रकार के कृषि व सहायक व्यवसाय के प्रशिक्षण अधिक कुशलता पूर्वक संपन्न होंगे जिससे क्षेत्र के किसान भाइयों को अधिक लाभ प्राप्त होगा। कुलपति ने प्रदेश में फैल रही लम्पी स्किन बीमारी से बचाव के लिए जागरूक रहने के बारे में किसानों एवं पशुपालकों को जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए ताकि पशुधन की हानि को रोका जा सकें। निदेशक अटारी जोधपुर डॉ. एस.के. सिंह ने केन्द्र की वार्षिक प्रतिवेदन एवं आगामी कार्य योजनों पर समीक्षा की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के वितीय सहयोग से कृषि विज्ञान केन्द्र का भवन इक्यासी बीघा भूमि में एक करोड़ चौवालीस लाख रूपए की लागत से बनाया गया है। साथ ही किसान हॉस्टल के लिए नब्बे लाख की राशि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा स्वीकृति जारी की गई है जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है।

❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं पशुपालन विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में फील्ड पशुचिकित्सकों के लिए भारत सरकार की एस्केड परियोजना के अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर पशुओं में रोग

निदान एवं नियंत्रण विषय पर आयोजित किये गये। पांच दिवस के कुल तीन प्रशिक्षणों में 3 प्रशिक्षण बीकानेर में तथा एक एक प्रशिक्षण पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर एवं वेटरनरी कॉलेज, उदयपुर में आयोजित किय गये।

❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों को समर्पित एक डिजीटल मंच "ई–पशुपालक चौपाल" के माध्यम से इस वर्ष छः ई पशुपालक चौपालों का आयोजन किया गया। जिसे बारह हजार सात सौ पशुपालकों एवं किसानों ने देखा और सुना।

❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर द्वारा इस वर्ष सात सौ तिरपन ऑफलाइन/ऑनलाइन प्रशिक्षणें का आयोजन कर बाइस हजार सात सौ छत्तीस पशुपालकों एवं किसानों को लाभांवित किया गया।

❖ राज्य सरकार द्वारा तीन एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी प्रयोगशालाएं वेटरनरी विश्वविद्यालय हेतु स्वीकृत की गई है। आगामी दो वर्षों में विश्वविद्यालय अच्छी गुणवत्ता के भ्रूण देशी गायों में स्थापित करने के लिए उपलब्ध करवायेगा, जिससे प्रदेश के पशुपालक निश्चित ही लाभान्वित होंगे।

❖ पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों द्वारा इस वर्ष तीन वैज्ञानिक सम्मेलनों का सफल आयोजन किया गया।

❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का लम्बे समय से चल रही इंर्टनशिप भत्ता बढ़ाने की मांग को राज्य सरकार की स्वीकृति मिल गई है। छात्रों ने मेडिकल के समकक्ष भत्ता बढ़ाने की मांग विश्वविद्यालय के सामने रखी। विश्वविद्यालय ने भी छात्रों के इर्न्टनशिप भत्ता बढ़ाने हेतु राज्य सरकार को पत्र लिखा। माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान श्री अशोक गहलोत ने गुरूवार को बजट सत्र के दौरान इस बाबत इर्न्टनशिन भत्ता 35 सौ से बढ़ाकर 14 हजार रू. प्रतिमाह करने की घोषणा की। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। इस खबर के बाद विद्यार्थियों में खुशी की लहर व्याप्त है।

❖ पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर में कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने विद्यार्थियों हेतु नवीन जिम्नेजियम का लोकार्पण किया एवं कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु खेलकूद एवं व्यायाम जीवन का नियमित एवं अहम हिस्सा होना चाहिए। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नियमित रूप से इन सुविधाओं का उपयोग करके अपने आप को स्वस्थ रखना चाहिए। व्यायामशाला को ट्रेड् मील, मल्टी स्टेशन, इन्डोर एक्सरसाईज, साईकिल, बेंच प्रेस, पुलअप एण्ड पुशअप बार आदि आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया गया है।

❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय एवं रेडक्रॉस सोसाइटी, दिल्ली व उसकी राजस्थान शाखा के मध्य आपसी करार (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए। कुलाधिपति व राज्यपाल श्री कलराज मिश्र की उपस्थिति में राजभवन, जयपुर के सभागार में कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने इस एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये। कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने बताया कि इस एम.ओ.यू. के तहत विश्वविद्यालय एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आपदा प्रबंधन, पर्यावरण, स्वच्छता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य सेवाओं एवं रक्तदान आदि विषयों पर प्रशिक्षण, जागरूकता, शोध एवं प्रसार कार्यों का क्रियान्वयन किया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा मानव कल्याण एवं उत्थान को अंजाम दिया जा सके। यह आपसी करार तीन वर्षो तक प्रभावी रहेगा। इस कार्यक्रम के दौरान अन्य विश्वविद्यालय के कुलपतिगण, राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल और रेडक्रॉस सोसाइटी के अधिकारी उपस्थित रहे।

❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह में 29 अप्रेल, 2022 को पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के 423 छात्र–छात्राओं को उपाधियों और 35 को स्वर्ण पदक तथा 2 कुलाधिपति स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने समारोह में ऑनलाइन शिरकत करते हुए प्रारंभ में संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्त्तव्यों का वाचन किया। कुलाधिपति ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन आज भी किसानों की आय की महत्वपूर्ण स्त्रोत है। समारोह में विशिष्ट अतिथि कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचंद कटारियां, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष प्रो अनिल कुमार श्रीवास्त्व, विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. राकेश चन्द्र अग्रवाल, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल के सदस्य प्रो. ए.के. गहलोत, प्रो. पी.के. शुक्ला (मथुरा), डॉ. अमित नैन, श्री अशोक मोदी श्री पुरखाराम, श्रीमती कृष्णा सोलंकी एवं

अकादमिक परिषद सदस्यगण, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अम्बरिश विद्यार्थी, आई.सी.ए.आर. संस्थानों के निदेशक व वैज्ञानिकगण, विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं और अतिथि उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में स्नातक योग्यता प्राप्त कर लेने वाले 217 छात्र–छात्राओं को उपाधियां, स्नातकोत्तर स्तर के 167 को उपाधियां तथा 39 को विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान की गई। 35 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदकों से और स्नातकोत्तर शिक्षा में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर अनामिका शर्मा व कुंदन मल यादव को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। दीक्षांत समारोह को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सीधा प्रसारित किया गया। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति सतीश के. गर्ग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

- ❖ सोसायटी फॉर वेटरनरी एण्ड एनीमल हसबेंड्री एक्सटेशंन (एस.वी.ए.एच.ई.) का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन "पशुपालन विकास हेतु प्रसार कार्यक्रमों के बहुवादी दृष्टिकोण" विषय पर पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में हाल ही में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के सहायक आचार्य डॉ. देवीसिंह को "इनोवेटिव एक्सटेशन एजुकेशनिस्ट आवार्ड से नवाजा गया। डॉ. टीकम चन्द गोयल, सहायक आचार्य, वेटरनरी कॉलेज, नवानियां, उदयपुर को "यंग एक्सटेशन साइंटिस्ट" अवार्ड प्रदान किया गया। पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर के सहायक आचार्य डॉ. अशोक बेन्दा के शोध पत्र वाचन को प्रथम एवं डॉ. सुभाष यादव के शोध पत्र वाचन को द्वितीय बेस्ट शोध पत्र वाचन पुरस्कार मिला। इस उपलब्धि के लिए फैकल्टी सदस्यों ने सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी।
- ❖ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर को अगले पांच वर्षों के लिए अपनी मान्यता (अधिस्वीकरण) प्रदान की है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग के नेतृत्व में प्रस्तुत की गई, स्व–अध्ययन रिपोर्ट के बाद आई.सी.ए.आर. की चार सदस्यीय पीयर रिव्यू टीम की आंकलन रिपोर्ट के आधार पर आगामी पांच वर्षों 2021–22 से 2025–26 के लिए ग्रेड़ 'ए' के साथ राजुवास को मान्यता प्रदान की गई है। कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग ने बताया कि आई.सी.ए.आर. से आगामी पांच वर्षों के लिए अधिस्वीकरण से विश्वविद्यालय में छात्र शोध, फैकल्टी कौशल विकास, उन्नत पशुधन प्रबंधन एवं उन्नत चिकित्सकीय सुविधाओं को बल मिलेगा तथा वेटरनरी विश्वविद्यालय को एक नई पहचान मिलेगी। कुलपति प्रो. गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों एवं इकाईयों के समुचित प्रयासो से हमें यह सफलता मिली है अब हम पशुचिकित्सा शिक्षा के नये आयामों व पशुपालकों के कौशल विकास के साथ–साथ नई परियोजनाओं को अंजाम दे सकेंगे। मान्यता प्रदान करने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की चार सदस्य पीयर रिव्यू टीम ने विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय पी.जी.आई.वी.ई.आर. जयपुर एवं वेटरनरी महाविद्यालय, नवानियां, उदयपुर के साथ–साथ वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर में 1 से 3 दिसम्बर, 2021 को दौरा एवं निरीक्षण किया। कुलपति प्रो. गर्ग ने बताया कि पीयर रिव्यू टीम के सदस्यों ने वेटरनरी विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों का भ्रमण कर सभी विभागों में शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों का जायजा लिया।
- ❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग को पशुचिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और पशुपालन में योगदान के लिए लाईफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। उत्तर बंगा कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा "सतत् विकास के लिए कृषि जैविक और व्यवहारिक विज्ञान में वर्तमान मुद्दे" विषय पर 11 से 13 जून को आयोजित छठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. गर्ग को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। पशुचिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में प्रो. गर्ग ने तीन दशक से अधिक अध्ययन–अध्यापन एवं शोध में उत्कृष्ट कार्य किया।
- ❖ वेटरनरी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. सुरेश कुमार झीरवाल को राजस्थान राज्य पशुचिकित्सा परिषद् के सदस्य के रूप में चुने गये। डॉ. झीरवाल राजस्थान राज्य पशुचिकित्सा परिषद् में चुने जाने वाले वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रथम सदस्य बने।
- ❖ आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा 12 अगस्त, 2022 को तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा रैली को वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से रवाना होकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सर्किल से वीर दुर्गादास सर्किल, एम.एन. हॉस्पिटल, तीर्थस्तंभ से होते हुए विश्वविद्यालय के सवंधिान पार्क पर समाप्त हुई।
- ❖ आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 18 अगस्त, 2022 को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने केमल रैली निकाल कर ऊँटों के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश जन–जन तक पहुंचाया। कमाण्डेट, बी.एस.एफ., डॉ. गोपेश नाग के नेतृत्व में ऊँट रैली सीमा

सुरक्षा बल मुख्यालय से पब्लिक पार्क, कीर्ती स्तम्भ होते हुए वेटरनरी विश्वविद्यालय पहुँची जहां पर कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग के नेतृत्व में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने रैली का स्वागत किया। कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि सीमा सुरक्षा बल ऊँटों के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रयास कर रही है यह सराहनिय कार्य है। जन चेतना ऊँटो के संरक्षण का एक सशक्त माध्यम है।

❖ नूरसर फाँटा, झालवाली गांव में 13 सितम्बर, 2022 को रोटरी क्लब, बीकानेर के सहयोग से राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के चिकित्सकों द्वारा सामान्य पशु चिकित्सा एवं विशेषकर लम्पी रोग उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 153 पशुओं का उपचार किया गया जिसमें गाय, बकरी एवं ऊँट इत्यादि पशु शामिल थे। वेटरनरी विश्वविद्यालय के वेटरनरी क्लिनिकल कॉम्प्लेक्स द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉसिबिलिटी के अंतर्गत गोद लिए गांव गाड़वाला में मंगलवार को पशुचिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान लम्पी रोग से ग्रसित 160 पशुओं का उपचार कर दवा दी गई।

❖ राष्ट्रीय पशु पोषण और पशु कल्याण अकादमी द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के धूड़िया को प्रतिष्ठित फैलो अवार्ड से 21 सितम्बर 2022 को नवाजा गया है। प्रो. धूड़िया को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश) में "सतत् पशुधन उत्पादन के लिए समन्वित पोषण, स्वास्थ्य और विस्तार दृष्टिकोण" विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में पशु पोषण के क्षेत्र में विशेष कार्यों के तहत यह सम्मान प्रदान किया गया। प्रो. धूड़िया को पशु पोषण के क्षेत्र में किये गए विशेष अनुसंधान व उत्कृष्ट कार्यों के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

❖ वेटरनरी प्रिवेंटिव एवं इंटरनल मेडिसिन का तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन "जलवायु परिवर्तन का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पशु स्वास्थ्य और कल्याण के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण" विषय पर पशुचिकित्सा महाविद्यालय, आनंद, गुजरात में हाल ही में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के मेडिसिन विभाग के पीएच.डी. में अध्ययनरत डॉ. चांद को उनकी स्नातकोत्तर शोध के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, डॉ. प्रियंका काडेला को उनके श्रेष्ठ शोध के लिए एवं डॉ. मीनल को श्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

❖ पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के पशु प्रसूति एवं मादा रोग विभाग द्वारा 19 अक्टूबर, 2022 को बीछवाल में पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 67 पशुओं का ईलाज किया गया जिसमें पशुओं में बांझपन, फुराव, अण्डाशय पर गांठ, गर्भनिर्धारण तथा कृत्रिम गर्भाधान शामिल है।

❖ पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर में हार्टफुलनेस संस्था द्वारा 12 दिसम्बर 2022 को लीडरशिप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने कहा कि कोरोना काल ने हमारे जीवन को एक तनाव की स्थिति में पहुंचा दिया था। इस तरह के ध्यान केन्द्रित एवं मेडीटेशन कार्यक्रमों से ना केवल तनाव कम होगा अपितु कार्यचेतना, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं लीडरशिप गुणो का विकास होगा जो कि विद्यार्थियों के जीवन में सफलता में सहायक होगी।

❖ महाविद्यालय डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय (सी.डी.एफ.टी.) के नये परिसर का शुभारंभ बस्सी, जयपुर में राजस्थान पशुचिकित्सा और पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (राजूवास), बीकानेर के संघटक महाविद्यालय डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय (सी.डी.एफ.टी.) के नये परिसर का शुभारंभ दिनांक 15 दिसंबर 2022 को किया गया। महाविद्यालय के अंतर्गत डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी में 4 वर्षीय बी.टेक. की डिग्री प्रदान की जायेगी।

❖ वेटरनरी महाविद्यालय, नवानियां, उदयपुर (राजूवास बीकानेर) में इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी एनाटॉमिस्ट की तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस 20—22 दिसम्बर, 2022 को "पशुधन एवं वन्यजीव सेक्टर में एनाटॉमिकल अध्ययन द्वारा एडवांसमेंट से वैश्विक सतत् विकास हेतु प्रारंभिक प्रयत्न" विषय पर हुई। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रों सतीश के. गर्ग ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अपने शोधकाल के दौरान एनाटॉमी के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि वेटरनरी क्षेत्र में शोध कार्य हेतु एनाटॉमी एक बेसिक विषय है जिसका सभी को ज्ञान होना बहुत आवश्यक हैं। उन्होंने फॉरेंसिक साइंस में एनाटॉमी के महत्व को बताया तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इंटरडिसीप्लिनरी शोध की आवश्यकता को पर बल दिया। इस सम्मेलन में देश व विदेश से विभिन्न विश्वविद्यालय और सोसाइटी से जुड़े लगभग 250 वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ, फील्ड प्रैक्टिशनर, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भाग लिया। एनाटॉमी के क्षेत्र में अभुतपूर्व योगदान हेतु वैज्ञानिकों को विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया।

5. सार संक्षेप

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 की धारा 1 उपखण्ड (3) के अन्तर्गत स्थापित हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वयं माननीय राज्यपाल है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना दिनांक 13 मई, 2010 को की गई।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों बीकानेर, नवानियाँ (उदयपुर) एवं पी.जी.आई.वी.ई. आर., जयपुर में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। स्नातक पाठ्यक्रम हेतु 300 सीटें, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 18 विषयों हेतु 113 सीटें एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम 17 विषयों हेतु 46 सीटें उपलब्ध है। विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालन में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदेश के 81 शिक्षण केद्रों पर चलया जा रहा है, जिसमें 4750 के प्रशिक्षण की क्षमता हैं। डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर बस्सी (जयपुर) में स्नातक पाठ्यक्रम चलाया जा रहा हैं। स्नातक पाठ्यक्रम हेतु 120 सीटें उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के स्वीकृत कुल 1452 (शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक) पदों पर वर्तमान में 124 शैक्षणिक स्टॉफ तथा 231 अशैक्षणिक स्टाफ कार्यरत है।

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2022–23 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अर्न्तगत भरतपुर, कोटपूतली एवं मलसीसर (मण्डावा) झुंझूनू में नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य सरकार द्वारा इस नए महाविद्यालय के लिए शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक पदों की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 9 पशुधन अनुसंधान केन्द्र है, जिनमें पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ़), नवानियाँ, वल्लभनगर (उदयपुर), बोजुन्दा (चित्तौड़गढ), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा धौलपुर में स्थापित है। इन अनुसंधान केन्द्रो के माध्यम से राज्य की छः देशी गौवंश नस्लें राठी, थारपारकर, गिर, साहीवाल, मालवी और कांकरेज के विकास और संवर्द्धन का कार्य किया जा रहा है। राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर में इस वर्ष नौ राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाएं, दस राज्य पोषित अनुसन्धान परियोजनाएं, एवं पांच भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत इस वर्ष उच्च गुणवत्ता वाले 955 गौवंश का वितरण किया गया तथा सिरोही बकरियों में अनुवांशिक सुधार हेतु उच्च गुणवत्ता वाले सिरोही 178 बकरे पशुपालकों को विररित किए गए। इसके साथ ही पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल में 110 हेक्टर भूमि व 148 बकरियों, कोडमदेसर में 65 हेक्टर भूमि, चाँदन में 100 हेक्टर भूमि व 87 बकरियों, वल्लभनगर में 25 हेक्टर भूमि, 58 बकरियों व 41 गौवंश, बोजुन्दा में 15 हेक्टर भूमि व 408 बकरियों, सरमथुरा धौलपुर में 25 हेक्टर भूमि व 226 बकरियों को पी.जी.आई.वी.ई. आर., जयपुर में 5.69 हेक्टर भूमि व 32 बकरियों का जैविक प्रमाणीकरण किया गया। ए.आई.सी.आर.पी. मारवाड़ी बकरी परियोजना (बीकानेर) के अन्तर्गत 2022–23 में 27 उच्च गुणवत्ता वाले बकरे पंजीकृत पशुपालकों को निशुल्क वितरित किए गये है।

पशुओं की शल्य चिकित्सा स्थितियों के निदान, इमेजिंग और प्रबंधन पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रमं (बीकानेर) में परीक्षण/शल्य चिकित्सा के अन्तर्गत 946 परीक्षण एवं शल्य चिकित्सा की गई। पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के पशु प्रसूति एवं मादा रोग विभाग द्वारा 19 अक्टूबर, 2022 को बीछवाल में पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 67 पशुओं का ईलाज किया गया जिसमें पशुओं में बांझपन, फुराव, अण्डाशय पर गांठ, गर्भनिर्धारण तथा कृत्रिम गर्भाधान शामिल है।

ए.आई.सी.आर.पी. सोनाडी भेड़ परियोजना (वल्लभनगर) के अंतर्गत सोनाडी भेड़ नस्ल सुधार हेतु 2022–23 में 97 उच्च गुणवत्ता वाले मेंढ़ो का वितरण किया गया व साथ ही अनुसुचित जनजाति पशुपालकों को प्रशिक्षण दिया गया है तथा इन

पशुपालकों को खादी कम्बल, किसा टॉर्च, छाता, अजौला बीज, कर्मी खद, पशु आहार व फिडिंग ट्रफ का निशुल्क वितरण भी किया गया।

प्रसार शिक्षा निदेशालय अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पशुपालक समुदाय को नवीन तकनीकों व प्रचार–प्रसार सेवाओं को गांव–ढाणी तक पहुंचाकर पशुधन कल्याण व विकास के महत्ती कार्य में जुटा हुआ है। विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु उनकी समस्याओं के समाधान हेतु राज्य के 15 जिलों में पशु विज्ञान केन्द्र स्थापित है। ये पशु विज्ञान केन्द्र बाकलिया (नागौर), सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), रतनगढ़ (चूरू), कुम्हेर (भरतपुर), कोटा, सिरोही, डूंगरपुर, अविकानगर (टोंक), धौलपुर, बौजूंदा (चितौड़गढ़), लूणकरणसर (बीकानेर), जोधपुर, झुंझुनूं, जोबनेर (जयपुर) तथा जालौर एवं एक मात्र कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) में स्थापित है। प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं पशु विज्ञान केन्द्रों के द्वारा पशुकल्याण सेवाओं के अन्तर्गत विभिन्न प्रसार गतिविधियों के तहत 749 पशुपालक प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर इस वर्ष में कुल 22192 पशुपालकों को लाभांवित किया है।

विश्वविद्यालय ने अभिनव नवाचार करते हुए किसानों एवं पशुपालकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ किये। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) द्वारा अब तक 751 ऑनलाईन, संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिससे 22286 पशुपालक एंव कृषकों को लाभान्वित किया गया है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय एवं पशुपालन विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में फील्ड पशुचिकित्सकों के लिए भारत सरकार की एस्केड परियोजना के अंर्तगत पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर पशुओं में रोग निदान एवं नियंत्रण विषय पर आयोजित किये गये। पांच दिवस के कुल पांच प्रशिक्षणों में से 3 प्रशिक्षण बीकानेर में तथा एक एक प्रशिक्षण पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर एवं वेटरनरी कॉलेज, उदयपुर में आयोजित किय गये। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर 43 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 1309 पशुपालकों एवं कृषकों को लाभान्वित किया गया।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन संचालित पशु विज्ञान केंद्र, सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) द्वारा उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) श्रीगंगानगर के संयुक्त तत्वावधान में किसान पशुपालन एवं कृषि मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 900 से अधिक पशुपालकों व किसानों ने भाग लिया। प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़–II) द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, अटारी, जोधपुर के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अन्तर्गत किसान मेला एवं सह कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना एवं राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (नार्म) हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में वेटरनरी विश्वविद्यालय के 60 सहायक प्राध्यापकों को "नेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर फैकल्टी डवलपमेन्ट" विषय पर 7 दिवसीय ऑनलाईन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर एवं वेटरनरी कॉलेज, उदयपुर के 30–30 सहायक प्राध्यापकों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के वेटरनरी क्लिनिकल कॉम्प्लेक्स द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉसिबिलिटी के अंतर्गत गोद लिए गांव गाड़वाला में 13 सितम्बर को पशुचिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। निदेशक क्लिनिक्स डॉ. प्रवीण बिश्नोई ने बताया कि शिविर के दौरान लम्पी रोग से ग्रसित 160 पशुओं का उपचार कर दवा दी गई।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों के लिए "राजुवास ई–पशुपालक चौपाल", ''धींणे री बात्यां'' एवं महत्वाकांक्षी टोल–फ्री हैल्पलाइन सेवाओ के माध्यम से पूरे राज्य के किसानों व पशुपालकों को लाभ मिल रहा है। इस वर्ष 6 राजुवास ई–पशुपालक चौपाल वार्ताओं का प्रसारण कर 12700 किसानों एवं पशुपालकों को

लाभान्वित किया गया, 'धीणे री बात्यां' कार्यक्रम प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार को सांय 5:30 बजे से प्रसारित किया जा रहा है। दिसम्बर, 2022 में इस कार्यक्रम का 369 वां प्रसारण किया गया तथा टोल–फ्री हैल्पलाइन सेवा से वेटरनरी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों, शिक्षकों अथवा अधिकारियों से बातचीत कर अपनी जिज्ञासा तथा शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सकते है। इस वर्ष में लगभग **71235** से अधिक कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी इस सेवा के माध्यम से लाभान्वित हो चुके है। विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रतिमाह एक मासिक पत्रिका ''पशुपालन नए आयाम'' का प्रकाशन भी किया जाता है।

विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर प्रारम्भिक तौर पर रोग निदान सेवाएं प्रारम्भ कर दी गई है, साथ ही इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा 3290 दूध, रक्त, मूत्र, त्वचा एवं गोबर आदि के नमूनों की जांच कर पशुपालकों को पशुरोगों के प्रति जागरूक किया गया है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन विभिन्न जिलो मे स्थापित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा विचार गोष्ठी, कृषक–वैज्ञानिक संवाद, तकनीकी स्थानान्तरण, जागरूकता कार्यक्रम, क्षेत्र–भ्रमण आदि विभिन्न प्रसार गतिविधियां आयोजित की गई है। इस वर्ष 578 अन्य प्रसार गतिविधियां आयोजित कर 16631 पशुपालकों एवं किसानों को लाभान्वित किया गया है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के लिए भारतीय कृषि अनुसधांन परिषद्, नई दिल्ली से स्वीकृत शैक्षणिक पदो पर विश्वविद्यालय द्वारा भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष तथा पांच विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति प्रदान की गई।

माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र एवं माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द जी कटारिया द्वारा विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संविधान पार्क का लोकार्पण किया गया। माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के 16 वें पशु विज्ञान केन्द्र, जोबनेर (जयपुर) का शिलान्यास किया गया एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के 16वें पशु विज्ञान केन्द्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया।

माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र एवं माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द जी कटारिया द्वारा विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संविधान पार्क का लोकार्पण 29, जुलाई 2022 को किया गया। संविधान पार्क का उद्देश्य परिसर में युवाओं एवं आम नागरिकों को संविधान की मूलसंरचना, संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के साथ साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध करवाते हुए राष्ट्र भावना को जागृत करना है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के नए भवन का लोकार्पण 17 अगस्त 2022 को माननीय विधायक नोहर श्री अमित चाचाण द्वारा किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के वितीय सहयोग से कृषि विज्ञान केन्द्र का भवन इक्यासी बीघा भूमि में एक करोड़ चौवालीस लाख रूपए की लागत से बनाया गया है। साथ ही किसान हॉस्टल के लिए नब्बे लाख की राशि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा स्वीकृति जारी की गई है जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षांत समारोह हाईब्रिड मोड में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र तथा माननीय मंत्री श्री लालचंद जी कटारिया, कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग ने समारोह में ऑनलाईन शिरकत की एवं पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के 423 छात्र–छात्राओं को उपाधियां और 35 को स्वर्ण पदक तथा 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया।

राज्य सरकार द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के इन्टर्नशिप छात्रों के इन्टर्नशिप भत्ते को तीन हजार रू. मासिक से बढ़ाकर चौदह हजार रूपये प्रतिमाह + डीए कर दिया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय को शिक्षा एवं अनुसंधान के विभिन्न पैमानों पर परखते हुए पांच वर्षों (2022–2026) के लिए ए ग्रेड में अक्रेडिटेशन प्रदान की गई।

वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष रेडक्रोस सोसाइटी, नई दिल्ली एवं पशुपालन विभाग, राजस्थान के आपसी करार (एम.ओ.यू.) किये गये।

राज्य सरकार द्वारा तीन एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी प्रयोगशालाएं वेटरनरी विश्वविद्यालय हेतु स्वीकृत की गई है। आगामी दो वर्षों में विश्वविद्यालय अच्छी गुणवत्ता के भ्रूण देशी गायों में स्थापित करने के लिए उपलब्ध करवायेगा, जिससे प्रदेश के पशुपालक निश्चित ही लाभान्वित होंगे।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग को पशुचिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और पशुपालन में योगदान के लिए लाईफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय पशु पोषण और पशु कल्याण अकादमी द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के धूड़िया को प्रतिष्ठित फैलो अवार्ड से 21 सितम्बर 2022 को नवाजा गया है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. सुरेश कुमार झीरवाल को राजस्थान राज्य पशुचिकित्सा परिषद् के सदस्य के रूप में चुने गये। डॉ. झीरवाल राजस्थान राज्य पशुचिकित्सा परिषद् में चुने जाने वाले वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रथम सदस्य बने।

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा 12 अगस्त, 2022 को तिरंगा रैली का आयोजन किया गया एवं 18 अगस्त, 2022 को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने केमल रैली निकाल कर ऊँटों के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश जन–जन तक पहुंचाया।

नूरसर फाँटा, झालवाली गांव में 13 सितम्बर, 2022 को रोटरी क्लब, बीकानेर के सहयोग से राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के चिकित्सकों द्वारा सामान्य पशु चिकित्सा एवं विशेषकर लम्पी रोग उपचार शिविर का आयोजन कर लम्पी रोग से ग्रसित 160 पशुओं का उपचार कर दवा दी गई।

वेटरनरी महाविद्यालय, नवानियां, उदयपुर (राजूवास बीकानेर) में इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी एनाटॉमिस्ट की तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस 20–22 दिसम्बर, 2022 को "पशुधन एवं वन्यजीव सेक्टर में एनाटॉमिकल अध्ययन द्वारा एडवांसमेंट से वैश्विक सतत् विकास हेतु प्रारंभिक प्रयत्न" विषय पर हुई। इस सम्मेलन में देश व विदेश से विभिन्न विश्वविद्यालय और सोसाइटी से जुड़े लगभग 250 वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ, फील्ड प्रैक्टिशनर, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भाग लिया। एनाटॉमी के क्षेत्र में अभुतपूर्व योगदान हेतु वैज्ञानिकों को विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
बीकानेर

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
नवानियां, वल्लभनगर (उदयपुर)

स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
जयपुर

प्रकाशक

प्राथमिकता, नियंत्रण एवं मूल्यांकन निदेशालय

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बीकानेर-334 001 (राजस्थान)

टेलीफोन: 0151-2543419 ईमेल: dpmerajuvas@gmail.com

मुद्रक : डायमंड प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनरी, बीकानेर # 9784105819